सोशल मीडिया से जुड़ें
NewsTransportVishesh
YouTube
Digital Edition

न्यूज ट्रांसपोर्ट विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष 1, अंक 132, नई दिल्ली, शुक्रवार, 11 मार्च 2023, पेज 8

NEWS NTV TRANSPORT VISHESH
www.newstransportvishesh.com
सबसे तेज, सबसे पहले
आपको पहुंचाये परिवहन क्षेत्र की सभी जानकारियां
09212122095
09811732095

03 अदालत ने मनीष सिसोदिया को 17 मार्च तक ईडी की हिरासत में भेजा
05 Mahindra Thar RWD LX हुआ 50 हजार रुपये तक का इजाफा
08 पीएम मोदी ने NPDRR का किया उद्घाटन

आज का सुविचार

"मन पर नियंत्रण रखना सीखे, क्युकि अनियंत्रित मन ही आपके और आपकी सफलता के बिच का काँटा है।"

पश्चिम जिला दिल्ली के डीएम द्वारा क्षेत्र को कुरीतियों से मुक्त करवाने का अच्छा प्रयास

संजय बाटला

नई दिल्ली। शुक्रवार 10 मार्च को जिला मजिस्ट्रेट (पश्चिम) कार्यालय में एडीएम (पश्चिम क्षेत्र) की चेयरमैनशिप में बैठक बुलाई गई जिसमें एसडीएम राजौरी गार्डन, पटेल नगर, पंजाबी बाग, वूमेन चाइल्ड डेवलपमेंट अधिकारी, डायरेक्टर ऑफ एजुकेशन अधिकारी, मेडिकल अधिकारी, चाइल्ड वेलफेयर कमेटी अधिकारी, लेबर वेलफेयर कमेटी अधिकारी और पूरे क्षेत्र के आरडब्ल्यूए एवम्एनजीओ के अध्यक्ष/ कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित हुए।

इस बैठक में निम्नलिखित मुद्दो पर विस्तृत में बाते हुई

A. *बच्चों की छोटी उम्र में होने वाली शादी के कारण होने वाले नुकसानों और उसकी रोकथाम, *
B. *दिल्ली की जनता को नशे से होने वाले नुकसानों और उसकी रोकथाम* ,
C. *बच्चो से शिक्षा प्राप्त करने की उम्र में कराए जाने वाले कामों की रोकथाम* के मुद्दो पर और इन बुराइयों को रोकने के लिए सुझावो पर विचार किए गए।

पश्चिम दिल्ली क्षेत्र से इन बुराइयों को जड़ से उखाड़ फैंकने के लिए एकजुट होकर कार्य करने की बात कही गई।
इस बैठक में एडीएम द्वारा बताया गया पश्चिम क्षेत्र में डीएम के नेतृत्व में 314 साल तक की आयु के बच्चो के लिए स्कूल में दाखिला करवाने और उनके लिए बिना परेशानी के आधार कार्ड बनवाने का कार्य शुरु है* और अगर किसी को भी इसमें कोई परेशानी हो रही हो तो वह क्षेत्र के एसडीएम से सम्पर्क करें और इस प्रकार की समस्याओं के लिए एसडीएम तत्काल प्रभाव से मदद प्रदान करेंगे ।

जनहित में जारी

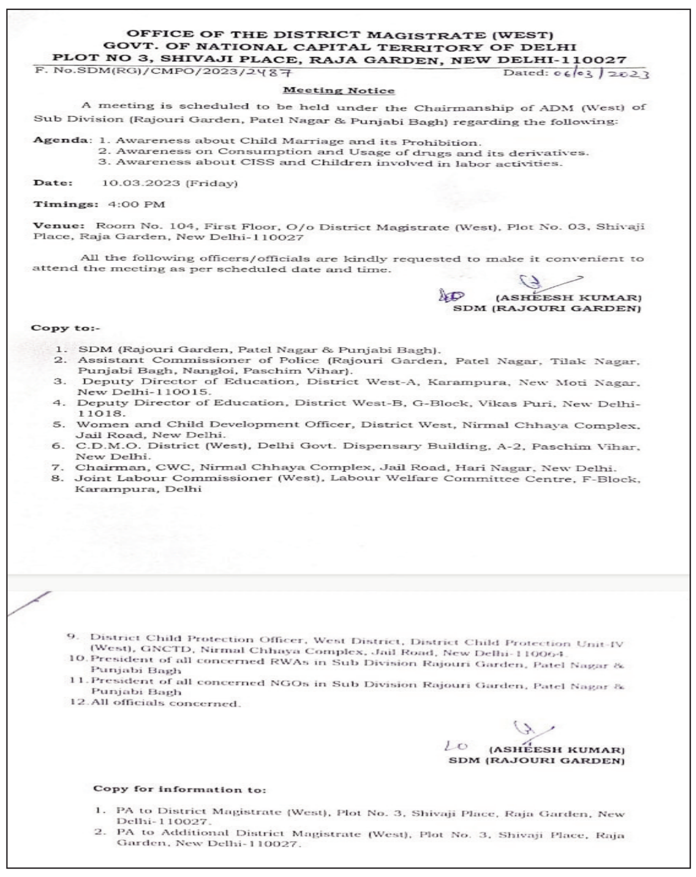

OFFICE OF THE DISTRICT MAGISTRATE (WEST)
GOVT. OF NATIONAL CAPITAL TERRITORY OF DELHI
PLOT NO 3, SHIVAJI PLACE, RAJA GARDEN, NEW DELHI-110027

F. No.SDM(RG)/CMPO/2023/2487 Dated: 06/03/2023

Meeting Notice

A meeting is scheduled to be held under the Chairmanship of ADM (West) of Sub Division (Rajouri Garden, Patel Nagar & Punjabi Bagh) regarding the following:

Agenda: 1. Awareness about Child Marriage and its Prohibition.
2. Awareness on Consumption and Usage of drugs and its derivatives.
3. Awareness about CISS and Children involved in labor activities.

Date: 10.03.2023 (Friday)

Timings: 4:00 PM

Venue: Room No. 104, First Floor, O/o District Magistrate (West), Plot No. 03, Shivaji Place, Raja Garden, New Delhi-110027

All the following officers/officials are kindly requested to make it convenient to attend the meeting as per scheduled date and time.

(ASHEESH KUMAR)
SDM (RAJOURI GARDEN)

Copy to:-

1. SDM (Rajouri Garden, Patel Nagar & Punjabi Bagh).
2. Assistant Commissioner of Police (Rajouri Garden, Patel Nagar, Tilak Nagar, Punjabi Bagh, Nangloi, Paschim Vihar).
3. Deputy Director of Education, District West-A, Karampura, New Moti Nagar, New Delhi-110015.
4. Deputy Director of Education, District West-B, G-Block, Vikas Puri, New Delhi-11018.
5. Women and Child Development Officer, District West, Nirmal Chhaya Complex, Jail Road, New Delhi.
6. C.D.M.O. District (West), Delhi Govt. Dispensary Building, A-2, Paschim Vihar, New Delhi.
7. Chairman, CWC, Nirmal Chhaya Complex, Jail Road, Hari Nagar, New Delhi.
8. Joint Labour Commissioner (West), Labour Welfare Committee Centre, F-Block, Karampura, Delhi
9. District Child Protection Officer, West District, District Child Protection Unit-IV (West), GNCTD, Nirmal Chhaya Complex, Jail Road, New Delhi-110064.
10. President of all concerned RWAs in Sub Division Rajouri Garden, Patel Nagar & Punjabi Bagh
11. President of all concerned NGOs in Sub Division Rajouri Garden, Patel Nagar & Punjabi Bagh
12. All officials concerned.

(ASHEESH KUMAR)
SDM (RAJOURI GARDEN)

Copy for information to:

1. PA to District Magistrate (West), Plot No. 3, Shivaji Place, Raja Garden, New Delhi-110027.
2. PA to Additional District Magistrate (West), Plot No. 3, Shivaji Place, Raja Garden, New Delhi-110027.

इनसाइड

पुराने वाहनों को कबाड़ कराने पर मिलेगा ये लाभ, जान लें नहीं तो रहेगा आपको मलाल

लखनऊ। प्रदेश सरकार सरकारी वाहनों को मार्च के अंत तक स्क्रैप कराना चाहती है। इसके लिए सभी विभागों में सूची तैयार की जा रही है। कैबिनेट ने दस से बीस साल पुराने निजी व व्यावसायिक वाहनों को स्क्रैप कराने पर बकाया टैक्स में 75 प्रतिशत और जुर्माने पर शत प्रतिशत छूट के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इस छूट का लाभ बची देय राशि को एकमुश्त जमा करने पर ही लिया जा सकेगा। प्रदेश सरकार सरकारी वाहनों को मार्च के अंत तक स्क्रैप कराना चाहती है। इसके लिए सभी विभागों में सूची तैयार की जा रही है। साथ ही निजी व व्यावसायिक वाहन स्वामियों को स्क्रैप नीति के प्रति आकर्षित करने के उद्देश्य से तैयार किए गए परिवहन विभाग के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है।
2003 से पहले प्रदेश में पंजीकृत सभी श्रेणियों के वाहनों पर कर में 75 प्रतिशत, 2003 में या उसके बाद व 2008 से पहले पंजीकृत वाहनों पर 50 प्रतिशत, 2008 में या इसके बाद और 2013 में या इससे पहले एनसीआर के राज्यों के जिलों में पंजीकृत डीजल के सभी वाहनों पर 50 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

ट्रैफिक के दवाब से सिग्नल की बत्ती होगी हरी या लाल, अब कैमरों से होंगे सभी तरह के चालान

एन.टी. संवाददाता

अभी तक दिल्ली वालों की आदत हैं कि दाएं-बाएं देखा और अगर लालबत्ती पर ट्रैफिक पुलिस कर्मी नहीं है तो लालबत्ती जंप कर ली। अब दिल्ली वालों को ये गलत आदत बदलने पड़ेगी। आईटीएमएस के तहत सभी तरह के दिखने वाले चालान कैमरों से होंगे।

नईदिल्ली। राजधानी में अब ट्रैफिक के दबाव से सिग्नल की बत्ती लाल या हरी होगी। जिस मार्ग पर ट्रैफिक का दबाव ज्यादा होगा, वहां की लाइट तुरंत हरी हो जाएगी। साथ ही सीट बेल्ट व ट्रिपल राइडिंग समेत दिखने वाले सभी चालान कैमरे से होंगे। इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस), दिल्ली में इस तरह के काफी परिवर्तन ला रहा है। गृह मंत्रालय की ओर से नामित संस्था ने आईटीएमएस को लागू करने के लिए विस्तार परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) दिल्ली ट्रैफिक पुलिस को पिछले सप्ताह सौंप दी गई है।
देश की राजधानी दिल्ली की सबसे बड़ी समस्या ट्रैफिक जाम है। पड़ोसी राज्य यूपी व हरियाणा के शहरों में तेजी से विकास होने पर दिल्ली में ट्रैफिक जाम की समस्या बढ़ी है। ऐसे में गृह मंत्रालय के आदेश पर दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ट्रैफिक जाम व परिवहन व्यवस्था में सुधार के लिए बहुमुखी, व्यापक, एकीकृत, डेटा केंद्रित इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) शुरू करने जा रही है। इस सिस्टम के लागू होने से ट्रैफिक की स्पीड प्रतिघंटा 20 से 30 प्रतिशत बढ़ जाएगी। इससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी। साथ ही समय में सुधार भी होगा। इस सिस्टम के तहत परिवहन समस्याओं के समाधान में कंप्यूटर और संचार तकनीकों का उपयोग किया जाएगा। आईटीएमएस प्रणाली बेहतर यातायात प्रबंधन के लिए वास्तविक समय में यातायात सिग्नल नियंत्रण को अनुकूलन करती है और इसमें मुख्य तौर पर उर्जा कुशल उपकरण उपकरण प्रणाली के साथ कमांड, नियंत्रण और डेटा सेंटर शामिल हैं।

गृह मंत्रालय की नामित संस्था ने रिपोर्ट सौंपी

गृह मंत्रालय ने दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की आईटीएमएस परियोजना को शुरू करने के लिए सी-डैक को नामित किया था। गृह मंत्रालय ने सी-डैक को विस्तार परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) और पीएमसी शुल्क प्रस्तुत करने के लिए कहा। सी-डैक ने डीपीआर बनाने के लिए मैसेज गैआ स्मार्ट सिटीज सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड को नामित किया था। इस संस्था ने पूरी दिल्ली में सर्वे करके डीपीआर दिल्ली ट्रैफिक पुलिस को पिछले सप्ताह सौंप दी है। दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा की निगरानी में दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने इस पर मंथन करना शुरू कर दिया है।

आईटीएमएस में ये होगा

आईटीएमएस के तहत अनुकूलित यातायात नियंत्रण प्रणाली (एटीसीएस) एक यातायात प्रबंधन रणनीति है। इसमें वास्तविक यातायात मांग के आधार पर यातायात सिग्नल का समय बदलता है। यानी जिस तरफ ट्रैफिक का दबाव ज्यादा होगा उस समय की हरी बत्ती तुरंत हो जाएगी। इसमें हार्डवेयर व सॉफ्टवेयर दोनों का इस्तेमाल किया जाएगा। इससे ट्रैफिक जाम कम होगा।

अनुकूलित यातायात नियंत्रण प्रणाली (एटीसीएस) की प्रमुख बातें-

- सिग्नल नियंत्रक।
- सेंसर व थर्मल कैमरे।
- पुनः प्रयोज्य स्ट्रीट-फर्नीचर (सिग्नल पोल, केबल और एलईडी)
- सुलभ सिग्नल पैदल यात्री नियंत्रण
- आपातकालीन सेवा वाहन प्राथमिकता (ईएसवीपीजे)
- वीआईपी वाहन बेड़े के आपातकालीन फ्रंट रियर वाहनों के लिए।
- उपलब्ध डेटा का उपयोग करके स्वचालित घटना जांच प्रणाली (एआईडीएस)।
- घटनाओं को पता लगाने और उत्पन्न करने के लिए फ्लोटिंग कार डेटा (एफसीडी) को कैप्चर करने के लिए थर्ड पार्टी क्राउड सोर्सिंग डेटा का इस्तेमाल।

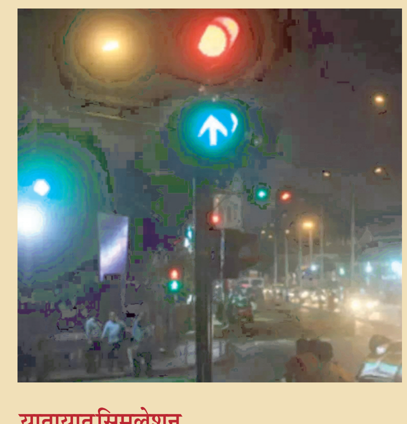

यातायात सिमुलेशन

इसके तहत बीएमएस, मोबाइल फोन, एफएम रेडियो, सोशल मीडिया आदि माध्यमों से यातायात सलाहकार संदेश भेजे जाएंगे। वाहनों चालकों को पहले ही बता दिया जाएगा कि कहां जाम लग रहा है और कहां जलभराव है।

पार्किंग प्रबंधन प्रणाली

विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म, बीएमएस, मोबाइल फोन, इन व्हीकल सिस्टम और सोशल मीडिया पर पार्किंग जानकारी (पार्किंग का पता, उपलब्धता और पार्किंग शुल्क) आदि के जानकारी समय पर दे जाएगी। ये स्क्रीन व मैसेज के जरिये वाहन चालकों तक पहुंचेगी।

डाटा सेंटर और डिजास्टर रिकवरी

इसके तहत बड़ी मात्रा में डेटा को एकत्रित करने, संसाधित करने, स्टोर करने और प्रसारित किया जाता है। डिजास्टर रिकवरी वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा प्रौद्योगिकी से संबंधित आपदाओं जैसे बिजली आउटेज, प्राकृतिक घटनाओं और सुरक्षा मुद्दों का अनुमान लगाया जाता है।

मैसेज वाली स्क्रीन लगेंगी

आईटीएमएस के तहत दिल्ली में विभिन्न मार्गों पर स्क्रीन लगाई जाएंगी। इस स्क्रीन पर मैसेज चलेगा कि आगे जाम है या जल भराव है। ऐसे में वाहन चालक स्क्रीन पर चल रहे मैसेज को देखकर अपना मार्ग बदल लेगा और जाम में फंसने से बच जाएगा।

अब सभी तरह के चालान कैमरों से होंगे

अभी तक दिल्ली वालों की आदत हैं कि दाएं-बाएं देखा और अगर लालबत्ती पर ट्रैफिक पुलिस कर्मी नहीं है तो लालबत्ती जंप कर ली। अब दिल्ली वालों को ये गलत आदत बदलने पड़ेगी। आईटीएमएस के तहत सभी तरह के दिखने वाले चालान कैमरों से होंगे। इसमें सीट बेल्ट और ट्रिपल राइडिंग आदि शामिल हैं। आईटीएमएस के तहत सेंसर तकनीक का इस्तेमाल कर ट्रैफिक नियमों को उल्लंघन करने वाले वाहनों का पता लगाया जाएगा। इसमें रेड लाइट वॉयलेशन डिटेक्शन (आरएलवीडी) व गति जांच कैमरे लगाए जाएंगे। इसमें बाहरी घटकों में निगरारी कैमरे, सीसीटीवी कैमरे, घटना का पता लगाने वाले कैमरे, वीडियो प्रबंयान, ई-चालान मशीन और विशेषात्मक सिस्टम शामिल हैं।

- स्वचालित नंबर प्लेट पहचान और लाल बत्ती उल्लंघन प्रणाली(आरएलवीडी) के लिए आईपी ऑप्टिकल कैमरे।
- स्वचालित यातायात गणना, वर्गीकरण और गति उल्लंघन के लिए 4के रडार और आईपी ऑप्टीमल कैमरे।
ई-चालान
- घटना प्रबंधन और प्रतिक्रिया प्रणाली।

यातायात प्रबंधन केंद्र

आईटीएमएस के तहत क्षेत्रीय कमान और नियंत्रण केंद्रों के साथ केंद्रीकृत और नियंत्रण केंद्र की स्थापना की जा रही है। इसका इस्तेमाल यातायात सूचना एकत्र करने, संसाधित करने, रिकार्ड करने व साझा करने और सड़क उपयोगकर्ताओं को दूरस्थ रूप से सूचना प्रसारित करने के लिए की जाएगी।

- आईटीएमएस और अन्य एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर
- डाटा स्टोरेज सिस्टम
- आईटी उपकरण
- वीडियो वाल

परिवहन विभाग को 597 करोड़ का बजट, पिछले साल से 42% अधिक, 28 बस स्टैंड बनेंगे

एन.टी. संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब इलेक्ट्रिक वाहन नीति को हाल ही में अधिसूचित किया गया है। इस का उद्देश्य इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देना है। सरकार ने पुराने वाहनों की स्क्रैपिंग के लिए रजिस्टर्ड व्हीकल स्क्रैपिंग सुविधा लागू की है। परिवहन क्षेत्र के लिए बजट में वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने 597 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। उन्होंने दावा किया है कि यह बजट गत्त वर्ष की तुलना में 42 फीसदी अधिक है। इससे राज्य में 28 बस स्टैंडों की चरणबद्ध स्थापना और अपग्रेडेशन पर 35 करोड़ से काम होगा। 48 करोड़ सड़क सुरक्षा फंड के लिए रखे हैं। परिवहन में बड़े सुधार शुरू किए गए हैं। पंजाब इलेक्ट्रिक वाहन नीति को हाल ही में अधिसूचित किया गया है। इस का उद्देश्य इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देना है।

सरकार ने पुराने वाहनों की स्क्रैपिंग के लिए रजिस्टर्ड व्हीकल स्क्रैपिंग सुविधा लागू की है। स्क्रैपिंग सुविधा स्थापित करने के लिए संभावित स्थानों की पहचान कर ली गई है और वित्त वर्ष 2023-24 में इसे चालू कर दिया जाएगा। वित्त वर्ष 2023-24 में सरकार का प्रस्ताव पीआरटीसी और पंजाब रोडवेज के सभी डिपो में इंटिग्रेटड डिपो मैनेजमेंट सिस्टम शुरू करने का है।

वाहनों की फिटनेस के लिए छह जिलों में बनेंगे केंद्र

अल्ट्रा-मॉडर्न उपकरणों के साथ वाणिज्यिक वाहनों की फिटनेस की जांच करने के लिए सरकार मोहाली, पटियाला, बठिंडा, लुधियाना, फरीदकोट और अमृतसर में बिल्ड, ओन एंड ऑपरेट आधार पर छह ऑटोमोटिव परीक्षण स्टेशनों का निर्माण का प्रस्ताव रखा है।

एयर कार्गो सुविधाओं का विस्तार करने की योजना

पंजाब में विदेश में बसे लोगों की आवाजाही को आसान बनाने के लिए सरकार ने एविएशन सेक्टर के लिए बजट में विशेष प्रावधान किया है। शहीद भगत सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के टर्मिनल भवन के दूसरे चरण के निर्माण पर विचार किया जा रहा है। सरकार ने भारतीय वायुसेना स्टेशन, हलवारा, लुधियाना में टर्मिनल भवन के विकास के लिए 57 करोड़ का योगदान देने का फैसला किया है। यह काम मई 2023 तक पूरा होने की उम्मीद है और दिसंबर, 2023 तक उड़ान संचालन शुरू होने की आशा है। इस तरह सरकार ने शहीद भगत सिंह अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे में एयर कार्गो सुविधाओं का विस्तार करने और श्री गुरु रामदास जी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट अमृतसर पर पेरिशेबल कार्गो कॉम्प्लेक्स के संचालन के लिए एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया कार्गो एंड लॉजिस्टिक्स एलाइड सर्विसेज कंपनी लिमिटेड के साथ दो अलग-अलग समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

शीर्ष अदालत ने ऐप-आधारित टैक्सी एग्रीगेटर्स को 6 मार्च तक लाइसेंस के लिए आवेदन करने का निर्देश दिया था

ओला और उबर ने महाराष्ट्र में एग्रीगेटर लाइसेंस के लिए आवेदन किया, ग्राहकों को मिलेगा बड़ा फायदा

महाराष्ट्र में राइड-हेलिंग सर्विस प्रोवाइडर कंपनियों ओला और उबर ने एग्रीगेटर लाइसेंस के लिए आवेदन किया है। कंपनियों को एग्रीगेटर लाइसेंस मिलने से ग्राहकों को कैसे फायदा होगा। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। एप बेस टैक्सी सर्विस देने वाली कंपनियों में शामिल ओला और उबर ने महाराष्ट्र में एग्रीगेटर लाइसेंस के लिए आवेदन कर दिया है। आरटीओ से मिली जानकारी के मुताबिक कुछ दिनों में लाइसेंस पर फैसला हो जाएगा।

लाइसेंस के लिए किया आवेदन

राइड-हेलिंग सर्विस प्रोवाइडर ओला और उबर ने एग्रीगेटर लाइसेंस के लिए महाराष्ट्र सरकार के पास आवेदन किया है। क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) के एक अधिकारी ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी है। केंद्र और महाराष्ट्र सरकार द्वारा लाए गए दिशानिर्देशों ऐप-आधारित कंपनियों को लाइसेंस प्राप्त करने के लिए अनिवार्य करते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने दिए थे निर्देश

मौजूदा समय में, सरकार इन ऑपरेटरों द्वारा उल्लंघन के मामले में प्रभावी ढंग से कार्रवाई नहीं कर सकती है लेकिन लाइसेंस से स्थिति को बदला जा सकता है। संबंधित आरटीओ के अधिकारी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के एक निर्देश पर कार्रवाई करते हुए, राइड-हेलिंग सेवा फर्मों ने मुंबई के तारदेव आरटीओ में एग्रीगेटर लाइसेंस के लिए आवेदन किया है।

आवेदनों की जांच जारी

तारदेव आरटीओ के क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी भरत कालस्कर ने पीटीआई को बताया कि उन्हें तीन-चार दिन पहले एग्रीगेटर लाइसेंस के लिए ओला और उबर से आवेदन मिले थे। उन्होंने कहा कि आवेदनों की जांच की जा रही है और बाद में लाइसेंस देने के बारे में आखिरी फैसले के लिए मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी (एमएमआरटीए) को प्रस्तुत किया जाएगा।

कोर्ट ने दिया था निर्देश

पिछले महीने, शीर्ष अदालत ने ऐप-आधारित टैक्सी एग्रीगेटर्स को 6 मार्च तक लाइसेंस के लिए आवेदन करने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि अगर वह महाराष्ट्र में अपना परिचालन जारी रखना चाहते हैं तो लाइसेंस के लिए आवेदन करें।

कंपनी ने की पुष्टि

उबर के एक प्रवक्ता ने आरटीओ में सबमिशन की पुष्टि की। उबर के प्रवक्ता ने कहा कि उबर ने शीर्ष अदालत द्वारा निर्धारित समय सीमा के भीतर अच्छी तरह से आवेदन किया है। वहीं ओला ने आवेदन के संबंध में सवालों का जवाब नहीं दिया।

ग्राहकों को होगा फायदा

जानकारी के मुताबिक महाराष्ट्र में सिटी टैक्सी नियमों के मुताबिक लाइसेंस मिलने के बाद ओला, उबर का किराया राज्य सरकार तय कर सकेगी। इससे कंपनियों की मनमानी नहीं होगी और डिमांड के मुताबिक किराया ज्यादा नहीं होगा। इसके अलावा खराब सर्विस और टैक्सी ड्राइवर की शिकायत के लिए भी 24 घंटे की हेल्पलाइन एग्रीगेटर कंपनी को देनी होगी।

इनसाइड

हार्मोनल बदलाव ही नहीं महिलाओं की इन 5 परेशानियों को भी ठीक करती है कसूरी मेथी, ये होते हैं फायदे

आयुर्वेद में कसूरी मेथी को औषधि माना गया है। इसका उपयोग कई तरह के रोगों को ठीक करने के लिए किया जाता है। आइए जानते हैं कसूरी मेथी का सेवन करने से महिलाओं की हार्मोनल बदलाव ही नहीं महिलाओं की इन 5 परेशानियों को भी ठीक करती है कसूरी मेथी, ये होते हैं फायदे

खाने का स्वाद बढ़ाना हो या खुशबू, कसूरी मेथी का इस्तेमाल हर रसोई में किया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कसूरी मेथी न सिर्फ खाने का स्वाद अच्छा करती है बल्कि सेहत से जुड़ी कई समस्याओं को भी ठीक करने में मदद करती हैं। आयुर्वेद में कसूरी मेथी को औषधि माना गया है। इसका उपयोग कई तरह के रोगों को ठीक करने के लिए किया जाता है। आइए जानते हैं कसूरी मेथी का सेवन करने से महिलाओं की कौन सी 5 समस्याएं दूर होती हैं।

प्रेग्नेंसी के बाद भी फायदेमंद-
ऐसी महिलाएं जो बच्चों को स्तनपान करवाती हैं उन्हें कसूरी मेथी का सेवन जरूर करना चाहिए। कसूरी मेथी में पाए जाने वाले तत्व ब्रेस्ट मिल्क को बढ़ाने में मदद करते हैं।

एनीमिया से करें बचाव-
भारत में ज्यादातर महिलाएं एनीमिया की शिकार हैं। ऐसी महिलाओं के लिए कसूरी मेथी का सेवन बेहद फायदेमंद होता है। कसूरी मेथी में काफी मात्रा में आयरन मौजूद होता है, जो शरीर में हीमोग्लोबिन के स्तर को बढ़ाता है। शरीर में खून की कमी होने पर अपनी डाइट में कसूरी मेथी को जरूर शामिल करें।

इंफेक्शन से करें बचाव-
पेट के इंफेक्शन से बचाव करने के साथ कसूरी मेथी का सेवन हार्ट, गैस्ट्रिक और आंतों की समस्याएं को भी दूर रखने में मदद करता है। अगर किसी महिला को पेट से जुड़ी कोई समस्या है तो वो कसूरी मेथी की पत्तियों को सुखाकर उसका पाउडर बना लें। इस पाउडर में नींबू की कुछ बूंदें डालकर इसे उबले हुए पानी के साथ लें।

हार्मोनल बदलाव करे ठीक-
महिलाओं की बॉडी में जीवनभर हार्मोनल बदलाव होते रहते हैं। जिसके पीछे पीरियड्स, गर्भावस्था, मेनोपॉज आदि कारण जिम्मेदार होते हैं। ऐसे में कसूरी मेथी का सेवन हार्मोनल बदलाव को कंट्रोल करके उससे होने वाली परेशानियों को कम करने में मदद करता है।

डायबिटीज करें कंट्रोल-
खानपान में गड़बड़ी का सीधा असर आपके ब्लड शुगर पर पड़ने लगता है। इसे नियंत्रित करने के लिए मेथी का प्रयोग करें। मेथी में एंटी-डायबिटिक गुण होते हैं, जो ब्लड ग्लूकोज के स्तर को नियंत्रित करते हैं। यह टाइप-2 डायबिटीज होने की संभावना को भी कम करता है।

पैरों के तलवों में छिपा है आपका भविष्य:

क्या आप जानते हैं कि पैरों की लकीरें भी हाथों की लकीरों के समान बेहद बलवान होती है। आमतौर पर आपने सुना और देखा है कि लोग अपने भविष्य को लेकर जब जब चिंतित होते हैं, तो वे तब तब उसके उपाय के लिए ज्योतिषविदों की शरण में पहुंचते हैं और अपने हाथ की रेखाओं के जरिए अपने भविष्य और वर्तमान का आकलन करते हैं। मगर इस लेख में हम आपको बताएंगे कि किस प्रकार से आपके पैर भी आपके भविष्य में होने वाली घटनाओं और यहां तक की आपके व्यापार या विवाह से संबंधी कई तरह की जानकारी खुद में समेटे हुए हैं। पैर में नजर आने वाली लकीरों को आप कभी हल्के में मत लें क्योंकि कहीं न कहीं ये लकीरें ही हमारा भाग्य लिखने में सक्षम साबित होती है। तो आईए जानते है कि पैरों के तलवे किस प्रकार व्यक्ति के भविष्य की गाथा सुनाते हैं। वो लोग जिनके पैरों के तलवे एक दम सीधे या फ्लैट होते हैं और जिनके पैर सीधा जमीन की सतह को छूते हैं, वे लोग खुली विचारधारा के होते हैं। वे काम के प्रति बेहद सतर्क और परिश्रमी होते हैं। वे हमेशा अपना काम छोड़कर पहले दूसरों की मदद के लिए हर वक्त तैयार रहते है और अपने विचारों से अन्य लोगों का दिल जीतने की भी उनमें एक अनोखी प्रकार की विधा होती है। इसके अलावा इन लोगों को अपने व्यवहार और दया भावना के लिए समाज में काफी सम्मान मिलता है। अपनी अच्छी सोच की बदौलत इन्हें जीवन में खूब सफलता हासिल होती है।

बच्चे के साथ ऑफिस को मैनेज करने में होती है परेशानी

5 टिप्स करें फॉलो, आसान हो जाएगी जिंदगी

ऑफिस गोइंग वूमन के लिए काम के साथ-साथ बच्चों को संभालना काफी चैलेंजिंग टास्क होता है. ऐसे में कुछ टाइम मैनेजमेंट टिप्स आपके बेहद काम आ सकती हैं. शेड्यूल सेट करने से लेकर शॉर्टकट फॉलो करने और खुद के लिए समय निकाल कर महिलाएं ऑफिस और बच्चों को वक्त देने के साथ-साथ लाइफ को भी फुल एन्जॉय कर सकती हैं.

वर्किंग वूमन के लिए घर के साथ-साथ ऑफिस संभालना काफी मुश्किल टास्क होता है. खासकर घर में बच्चे होने से महिलाओं की परेशानी काफी बढ़ जाती है. ऐसे में महिलाओं को बच्चे के साथ ऑफिस को भी मैनेज करना पड़ता है. हालांकि अगर आप चाहें तो कुछ ईजी मैनेजमेंट टिप्स (Time management tips) फॉलो करके बिना किसी परेशानी के ऑफिस के साथ बच्चों का भी खास ख्याल रख सकती हैं.
ऑफिस गोइंग मदर्स अक्सर घर और काम के बीच में उलझ कर रह जाती हैं. जिसके चलते महिलाएं चिड़चिड़ेपन और तनाव का भी शिकार होने लगती हैं. इसलिए हम आपको बताने जा रहे हैं वर्किंग वूमन के लिए कुछ टाइम मैनेजमेंट टिप्स, जिसकी मदद से आप ऑफिस में बेस्ट परफॉर्म करने के साथ-साथ परफेक्ट मदर भी बन सकती हैं.

अपना शेड्यूल बनाएं
रोजमर्रा के बिजी लाइफ में वर्किंग वूमन अक्सर ऑफिस और बच्चे से जुड़ी कुछ चीजों को मिस कर देती हैं. ऐसे में आप अपना डेली शेड्यूल प्लान करके सभी चीजों को सही तरीके से ऑर्गेनाइज कर सकती हैं. इससे आपको जल्दबाजी में तनाव भी नहीं होगा और आप आसानी से हर काम समय पर खत्म कर पाएंगी.

मल्टीटास्किंग बनें

बच्चे के साथ ऑफिस को मैनेज करने के लिए आप अपने शेड्यूल को मल्टी टास्टिंग भी बना सकती हैं. ऐसे मे किचन का काम करते समय बच्चों का होमवर्क करवाने और डेली वॉक के साथ बिजनेस कॉल अटेंड करके आप टाइम को आसानी से मैनेज कर सकती हैं.

ना कहना सीखें

अच्छी एंप्लॉइ और परफेक्ट मदर होने का मतलब ये नहीं है कि आपको हर काम खुद ही करना है. इसलिए ऑफिस में ओवर टाइम करने से लेकर बच्चों के हर काम खुद खत्म करना आपके लिए सही नहीं है. ऐसे में कुछ चीजों के लिए बेझिझक होकर ना कहना भी महिलाओं के लिए जरूरी हो जाता है.

शॉर्टकट होगा बेस्ट

ऑफिस और बच्चे के साथ टाइम मैनेजमेंट करने के लिए आप शॉर्टकट की मदद भी ले सकती हैं. ऐसे में पहले से सब्जी काटकर रखने, डिनर की प्री प्रिपरेशन करने और बर्तन धोने के लिए डिशवॉशर का इस्तेमाल करके आप घर के कामों को मिनटों में खत्म कर सकती हैं. साथ ही ऑफिस का काम जल्दी खत्म करने के लिए आप बाकी कलीग्स की हेल्प ले सकती हैं.

खुद को समय दें

बच्चे और ऑफिस के साथ-साथ महिलाओं को खुद का भी खास ख्याल रखना चाहिए. ऐसे में आप हर रोज थोड़ा समय खुद के साथ भी बिता सकती हैं. साथ ही हफ्ते में एक दिन अपनी फेवरेट हॉबी फॉलो करके आप लाइफ को फुल एन्जॉय कर सकती हैं.

बच्चों की पढ़ाई को आसान बनाने वाले मेथड

कई बार मां-बाप भी बच्चों पर पढ़ाई के लिए खूब दबाव बनाते हैं। नतीजन बच्चे समझने की बजाय हर चीज को याद करने लगते हैं। जो कुछ वक्त के लिए तो ठीक है, मगर पूरी उम्र आपको उसका फायदा नहीं मिल पाता। उसकी जगह अगर हम कंटेंट को समझने लगें, तो सालों के जवाब न केवल आसान हो जाएंगे बल्कि आप खुद भी जवाब लिख सकते हैं।

पढ़ने-लिखने की जब बात आती है, तो बच्चे अकसर जवाबों को रटते हुए नजर आते हैं। जहां एक तरफ टीचर्स को कोर्स खत्म करवाने की जल्दी होती है, तो वहीं बच्चे बिना किसी सवाल का मतलब समझे उसके जवाब ज्यों का त्यों रट लेते हैं, ताकि मार्क्स में कोई कमी न रहे। कई बार मां-बाप भी बच्चों पर पढ़ाई के लिए खूब दबाव बनाते हैं। नतीजन बच्चे समझने की बजाय हर चीज को याद करने लगते हैं। जो कुछ वक्त के लिए तो ठीक है, मगर पूरी उम्र आपको उसका फायदा नहीं मिल पाता। उसकी जगह अगर हम कंटेंट को समझने लगें, तो सालों के जवाब न केवल आसान हो जाएंगे बल्कि आप खुद भी जवाब लिख सकते हैं।

क्या होता है पिक्टोरियल मैथड ?
पिक्टोरियल (Pictorial Method) यानी किसी पिक्चर से संबधित। अगर आप किसी सवाल के जवाब को याद करना चाहते हैं, तो उसे किसी तस्वीर से जोड़ दें या किसी अन्य घटना से जोड़ दें, ताकि आपको वो जवाब उम्र भर के लिए याद हो जाए। अगर आप इतिहास को याद करने में असमर्थ है, तो उसके विषयों को पिक्चर फार्म में याद करने की आदत डालें। जैसे अगर हमें समाज सुधारक राजा राम मोहन राय की बात करनी है, तो हम किसी राजा का चित्र बनाकर उनकी बताई शिक्षाओं को आसानी से बच्चों को याद करवा सकते हैं। आइए जानते हैं इसके फायदे।

देर तक रहता है याद
अगर मैंने एक बार किसी प्रश्न को किसी तस्वीर से जोड़ दिया, तो वो उम्र भर आपको भूल नहीं पाएगा। दरअसल ज्यादातर लोगों की पिक्चर मैमरी तेज होती है। इससे वो जब किसी चीज को एक बार देख लेते हैं, तो वो चीज उनके जहन में उतर जाती है। फिर उसे याद करना तो आसान है। साथ ही वो हमेशा के लिए हमारे माइंड में सेव भी हो जाता है।

विषय बन जाता है रोचक
अगर टीचर बोल-बोल कर किसी विषय पर जानकारी दे रहे हैं, तो कुछ देर बाद बच्चे बोर होने लगते हैं। कोई किताब में तस्वीर बनाता नजर आएगा, तो कहीं दो स्टूडेंट आपस में बात करने लगेंगे। ऐसे में अगर आप बतौर टीचर बच्चों को बोलने के साथ-साथ तस्वीर के जरिए बोर्ड पर साथ-साथ समझाने लगते हैं, इससे बच्चों में दिलचस्पी बनी रहती है। अगर हम बच्चों को इकोनॉमिक्स पढ़ा रहे हैं और रूपये की बात कर रहे हैं, तो रूपये का निशान बनाकर नीचे दो लकीरें खींच दें और उसकी दो टांगे बना दें। इस तरह से बच्चे लंबे वक्त तक अटैंटिव रहते हैं और विषय की रोचकता भी बनी रहती है।

बच्चों की इन्वाल्मेंट बढ़ती है
अब जो बच्चे पढ़ाई से हर वक्त जी चुराते हैं, वो भी पिक्टोरियल मैथड के जरिए मुश्किल सब्जेक्ट को भी आसानी से पढ़ लेते हैं और इंटरस्ट लेने लगते हैं। अब बच्चों में पढ़ाई के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न होने लगती है। वे अब उस सब्जेक्ट के प्रति सजग होने लगते हैं और ज्यादा जानने की इच्छा रखने लगते हैं। इससे बच्चे का जुड़ाव किताबों की ओर बढ़ने लगता है।

विषय के प्रति जानकारी बढ़ती है
अब तक बच्चे केवल उत्तर को रट रहे थे, मगर अब तरह तरह की तस्वीरों और अलग अलग प्रकार के कार्टून करेक्टर या सिम्बल क्रिएट करके वे पढ़ाई को नए तरीके से याद रख रहे हैं। इससे आपको केवल उपरी ज्ञान नहीं बल्कि विषय के बारे में गहन जानकारी हासिल हो सकती है। अब आप विषय को सीधा देखने की बजाय उसके हर एंगल को खोजने का प्रयास करेंगे, जो आपकी पढ़ाई को आसान बना देगा और आपका ज्ञानकोष भी भर देगा। इससे हर ज्ञान के समुद्र में डुबकी लगा सकते हैं और बिना याद करने का प्रयास किए कुछ पिक्चर्स के ज़रिए चीजों को आसान बना सकते हैं।

बच्चे क्रिएटिव बनते हैं

जब हम बच्चों को पिक्टोरियल मैथड से समझाने लगते हैं, तो नदियों और नहरों से लेकर ब्रिटिश इतिहास तक हर टॉपिक बच्चों को अब आसान लगने लगता है। दरअसल, जिन चीजों को याद करने में खूब प्रयास करते थे, वे अब बच्चे धीरे-धीरे अपने आप से कटेंट से जुड़ी तस्वीर क्रिएट करने लगते हैं। जो लेसन्स को किताब के पन्नों से उठाकर सीधा दिमाग में सेव कर देते हैं। इस तरह बच्चों का पढ़ाई से भी जुड़ाव बढ़ने लगता है और उन्हें हर विषय आसानी से याद हो जाता है। इसके अलावा ये तकनीक बच्चों को क्रिएटिव भी बनाती है। वे चीजों को एक दूसरे से इंटरलिक करने लगते है, जिससे बच्चों में ज्ञान में अपार वृद्धि होती है।

बच्चों में डिप्रेशन की समस्या हो जाएगी छू मंतर
अधिकतर ऑनलाइन कक्षाओं में बच्चों को विषयों के बारे में अलग-अलग ढंग से जानकारी देने की कोशिश की जाती है। इसमें से सबसे लोकप्रिय तकनीक है पिक्टोरियल। अगर हम बच्चों की स्कूल की किताबें उठाकर देखें, तो हर चैप्टर में मात्र एक से दो पिक्चर बनी हुई नजर आती है। मगर जैसे-जैसे क्लासिस बढ़ती चली जाती है, वैसे-वैसे पिक्चर का चलन बुक में से खत्म हो जाता है। जो पढ़ाई को बोरिंग बना देता है। बचपन की किताबों में तस्वीरें रंगबिरंगी नजर आती है और उसके बाद किताबें मोटी होती जाती है, तस्वीर भी रंगहीन हो जाती है। धीरे-धीरे बच्चों का मन पढ़ाई से ऊब जाता है। हम जब बच्चों को पढ़ाई की तरफ दोबारा मोड़ना चाहते हैं, तो कई बार ऑनलाइन क्लासिस का सहारा लेते है, जिससे बच्चे दोबारा उसी जोश के साथ पढ़ाई करने लगते हैं।
बच्चों को पढ़ाई के लिए हर बार मजबूर करना पेंरेटस और बच्चे के आपसी रिश्ते को कमजोर बना देता है। बेशक, बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए पढ़ाई जरूरी है, मगर पहले हमें उनके स्तर और जरूरतों को समझना होगा, ताकि आसानी से वे अपनी हर बात आपसे शेयर कर सकें।

कुछ सामान्य लक्षण जो 5 तरह के गाइनेकोलॉजिकल कैंसर में होते हैं कॉमन, आप भी दें ध्यान

कैंसर एक जानलेवा बीमारी है. यदि इसका समय रहते इलाज शुरू ना किया जाए तो कई गंभीर मामलों में व्यक्ति की जान चली जाती है. बॉडी में ट्यूमर सेल्स की अनकंट्रोल्ड ग्रोथ सिर्फ एक बॉडी पार्ट के लिए नहीं, बल्कि पूरे शरीर के लिए खतरे की घंटी बन सकती है. कैंसर के कुछ ऐसे प्रकार हैं, जो सिर्फ महिलाओं को इनफेक्ट कर सकते हैं. ऐसे में महिलाओं में कैंसर की समस्या ज्यादा खतरनाक हो सकती है. ओवरीज, कोख या वेजाइना जैसे फीमेल रिप्रोडक्टिव पार्ट्स पर असर करने वाले ये गाइनेकोलॉजिकल कैंसर ढेरों बड़ी परेशानियों का कारण बन सकते हैं. सही समाधान के लिए सही समय पर बीमारी की पहचान कर, सही इलाज कराना जरूरी है. दवाइयों के साथ सही ट्रीटमेंट की मदद से इन परेशानियों से निजात पाई जा सकती है. आइए जानते हैं 5 तरह के गाइनेकोलॉजिकल कैंसर में कौन से आम लक्षण देखे जाते हैं :

एमडैंडरसन डॉट ओआरजी के अनुसार, वुलवर कैंसर के अलावा सभी गाइनेकोलॉजिकल कैंसर में ब्लीडिंग की समस्या देखने को मिलती है. वेजाइना से किसी भी तरह के डिस्चार्ज या ब्लीडिंग को नजरंदाज करना घातक साबित हो सकता है. पेट दर्द के साथ ही कमर दर्द भी किसी बड़े खतरे की दस्तक हो सकती है. ऐसे में सही समय डॉक्टर से परामर्श अवश्य ले लें.

-बार-बार पेशाब आना किसी गंभीर स्थिति की ओर इशारा हो सकता है. लगातार टॉयलेट जाने की शिकायत कैंसर के साथ ही अन्य परेशानियों का भी लक्षण हो सकती है. ऐसे में जल्द से जल्द डॉक्टर से सलाह करा लें.

-वेजाइना या दूसरे रिप्रोडक्टिव पार्ट्स में खुजली, जलन और ज्यादा सेंसटिविटी कैंसर का लक्षण हो सकती है. इन्फेक्शन में भी ऐसे लक्षण देखे जा सकते हैं, ऐसे में इन्हें इग्नोर करने का रिस्क लेने से बचें.

-सेक्स के दौरान या बाद में ज्यादा असामान्य दर्द महसूस होने पर जरूरी टेस्ट अवश्य करा लें. ये दर्द गाइनेकोलॉजिकल कैंसर के शुरुवाती लक्षणों में शुमार है.

-पेडू या पेल्विक एरिया में दर्द होना कैंसर की ओर संकेत करता है. बार-बार इस तरह का दर्द होने पर डॉक्टर को अवश्य दिखा लें नहीं तो समस्या के गंभीर होने की संभावना बढ़ जाती है.

-खाना खाने में असहजता, पेट जल्दी भर जाना, भूख कम लगना या सूजन भी गाइनेकोलॉजिकल कैंसर का संकेत हो सकता है. ऐसे में घबराने की जगह सही उपचार का ख्याल करें.

ब्रीफ न्यूज

सर्जरी के बिना मरीज की भोजन नली (ग्रासनली) से एल्यूमीनियम ब्लिस्टर फोइल को सफलतापूर्वक बाहर निकला

सर गंगा राम अस्पताल में इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर गैस्ट्रोएंटरोलॉजी एंड पैनक्रिएटिको-बिलियरी साइंसेज (ILGPS) के गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट ने मरीज द्वारा निगली हुई एल्यूमीनियम ब्लिस्टर पन्नी वाली एक गोली (टैबलेट) जो भोजन नली (ग्रासनली) में फंस गई थी जिसे एंडोस्कोपिक तकनीक का उपयोग कर मरीज के पेट से सफलतापूर्वक बाहर निकाल दिया।

नई दिल्ली। पेट से किसी निगली हुई चीजों को निकालने के लिए अपर गैस्ट्रोइंटेस्टिनल एंडोस्कोपी (Upper Gastrointestinal Endoscopy) का इस्तेमाल, खासकर बच्चों में एक आम बात है। आपने शिशुओं और छोटे बच्चों को सिक्के, खिलौने में मौजूद बैटरी सेल, छोटे चुम्बक, ड्राइंग पिन आदि निगलने के बारे में सुना होगा, जिन्हें एंडोस्कोपिक तकनीक द्वारा पेट से बाहर निकाल दिया जाता है। लेकिन बुजुर्गों द्वारा अनजाने में निगले गए नकली दांत को पेट से बाहार निकालने के लिए तुरंत इमरजेंसी एंडोस्कोपिक तकनीक की आवश्यकता होती है।

सर गंगा राम अस्पताल में इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी एंड पैनक्रिएटिको-बिलियरी साइंसेज (ILGPS) के गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट ने एक मरीज द्वारा गलती से निगली हुई एल्यूमीनियम ब्लिस्टर पन्नी वाली एक गोली (टैबलेट) जो भोजन नली (ग्रासनली) में फंस गई थी, जिसे एंडोस्कोपिक तकनीक का उपयोग कर मरीज के पेट से सफलतापूर्वक बाहर निकाल दिया।

प्रोफेसर अनिल अरोड़ा, चेयरमैन, इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी एंड पैनक्रिएटिको-बिलियरी साइंसेज (ILGPS), सर गंगा राम अस्पताल के अनुसार, ₹एक पुरुष (61) मरीज गलती से एल्यूमीनियम ब्लिस्टर फॉयल कवर वाली गोली निगलने के बाद सीने में गंभीर तकलीफ के साथ आपात स्थिति में सर गंगा राम अस्पताल इलाज के लिए पहुंचे। यह 'एल्यूमीनियम ब्लिस्टर फॉयल कवर वाली गोली' मरीज की भोजन नली (ऊपरी ग्रासनली) में बुरी तरह से फंस गई थी। इस कारण वह कुछ भी निगल नहीं पा रहा था और बार-बार लार थूक रहा था। मरीज की तुरंत एंडोस्कोपी की गई, जिसमें एक बहुत ही कठिन स्थिति सामने आई। डॉ. श्रीहरि अनिखिंदी ने बताया कि साबुत टैबलेट (एल्यूमीनियम ब्लिस्टर फॉयल में पैक गोली) भोजन नली के सबसे छोटे हिस्से में बुरी तरह से फंस गई थी, जिसे एंडोस्कोपिक तकनीक से बाहर निकालने के लिए किसी भी जगह कोई विकल्प मौजूद नहीं था (चित्र 1)। एल्युमिनियम की पन्नी बहुत कठोर थी और उसके किनारे नुकीले थे। इसलिए, किसी भी बलपूर्वक निकालने से भोजन नली आसानी से फट सकती थी, जिससे भोजन नली में बहुत अधिक खून का बहना, मीडियास्टिनल संक्रमण, सेप्सिस जैसी विनाशकारी कठिनाइयां पैदा हो सकती थी, और ऐसी कठिनाइयां के साथ-साथ एक आपातकालीन सर्जरी की भी आवश्यकता होती।"

सर गंगा राम अस्पताल में मौजूद आईएलजीपीएस की टीम ने उपरोक्त चुनौतियों को दूर करने का एक तरीका खोजा। चूंकि भोजन नली (एसोफैगस) से एल्यूमीनियम पन्नी को सीधे निकालना या हटाना बहुत अधिक खतरनाक था, इसलिए हमने पेट में फसी हुई एल्यूमीनियम पन्नी के साथ टैबलेट को बहुत धीरे-धीरे पेट की तरफ धक्का दिया। डॉ. श्रीहरि अनिखिंदी ने कहा कि इससे हमें विशेष उपकरणों को चलाने के लिए पर्याप्त जगह मिल गई। जब यह पेट के अंदर थी (चित्र 2), तो हमने एक विशेष एंडोस्कोपिक सुई का उपयोग करके एल्यूमीनियम पन्नी में छेद कर दिया और दबाव में सेलाइन (नमकीन) को डाल दिया। इससे आंतरिक गोली (चित्र 3) घुल कर भंग हो गई और सभी सामग्री पेट की गुहा (चित्र 4) में पन्नी से बाहर आ गई।

चूंकि पन्नी की सामग्री अब खाली हो गई थी, हमारे लिए अब एल्यूमीनियम पन्नी को स्वयं पर मोड़ना संभव था। इसने व्यास को कम कर दिया और खतरनाक तेज किनारों को उलट दिया। एंडोस्कोप से जुड़ी एंडोस्कोपिक म्यूकोसल रिसेक्शन (ईएमआर) कैप नामक एक विशेष सहायक का उपयोग करके, हम मुंह के माध्यम से मुड़े हुए एल्यूमीनियम पन्नी को सुरक्षित रूप से बाहर निकालने में सक्षम थे (चित्र 5)। कठिन और अनिश्चित स्थिति का सामना करते हुए, एक सुरक्षित एवं नवीन तकनीक का उपयोग करके एल्यूमीनियम पन्नी को भोजन नली से सुरक्षित और सफलतापूर्वक तुरंत बाहर निकालने पर हमें बहुत खुशी हुई।"

अदालत ने मनीष सिसोदिया को 17 मार्च तक ईडी की हिरासत में भेजा

विशेष न्यायाधीश एम. के. नागपाल ने धनशोधन रोधी जांच एजेंसी को आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता सिसोदिया को हिरासत में लेकर पूछताछ करने की अनुमति दी।

एनटीवी संवाददाता

नयी दिल्ली। यहां की एक अदालत ने दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को शुक्रवार को 17 मार्च तक प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में भेज दिया। ईडी ने दिल्ली की आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन के एक मामले में सिसोदिया को गिरफ्तार किया था।

विशेष न्यायाधीश एम. के. नागपाल ने धनशोधन रोधी जांच एजेंसी को आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता सिसोदिया को हिरासत में लेकर पूछताछ करने की अनुमति दी। ईडी ने सिसोदिया की 10 दिन की हिरासत मांगी थी। इससे पहले अदालत ने 'आप' नेता की हिरासत को लेकर ईडी और सिसोदिया के वकीलों की दलीलें सुनीं।

'राउज एवेन्यू' अदालत परिसर के भीतर और बाहर सुरक्षा बल की भारी तैनाती की गई। संघीय धनशोधन रोधी जांच एजेंसी के वकील ने आरोप लगाया कि सिसोदिया ने 'घोटाले' के बारे में गलत बयान दिया और एजेंसी आरोपियों की कार्यप्रणाली का पता लगाना चाहती है और अन्य आरोपियों के साथ उनका आमना-सामना कराना चाहती है। ईडी के वकील जोहेब हुसैन ने एक विशेष अदालत के समक्ष यह भी दावा किया कि सिसोदिया ने अपने फोन को नष्ट कर दिया,

जो जांच में एक महत्वपूर्ण सबूत है। ईडी के दावों पर सिसोदिया की ओर से पेश वकीलों ने अपनी दलीलें रखीं।

वरिष्ठ अधिवक्ताओं दयान कृष्णन, मोहित माथुर और सिद्धार्थ अग्रवाल ने कहा कि आबकारी नीति उपराज्यपाल द्वारा मंजूर की गई थी जिन्होंने इसकी जांच की होगी।

सिसोदिया की हिरासत के लिए ईडी की याचिका का विरोध करते हुए उनके वकीलों ने कहा कि नीति बनाना कार्यपालिका का काम है, जिसे कई चरण से गुजरना पड़ता है। आम आदमी पार्टी (आप) नेता के वकील ने अदालत से कहा, ''ईडी धन शोधन मामले में नीति निर्माण की जांच कैसे कर सकता है।''

वकील ने कहा, ''ईडी को मेरे मुवक्किल के पास से एक पैसा भी नहीं मिला है...मामला पूरी तरह से अफवाह पर आधारित है।'' सिसोदिया को केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली की आबकारी नीति (जिसे अब वापस ले लिया गया है) में कथित अनियमितताओं के मामले में गिरफ्तार किया था। इसके बाद ईडी ने इसी से जुड़े धन शोधन के एक मामले में तिहाड़ जेल में सिसोदिया से पूछताछ की और बृहस्पतिवार को उन्हें गिरफ्तार कर लिया था।

मोदी ने अल्बनीज के समक्ष मंदिरों पर हमले का मुद्दा उठाया

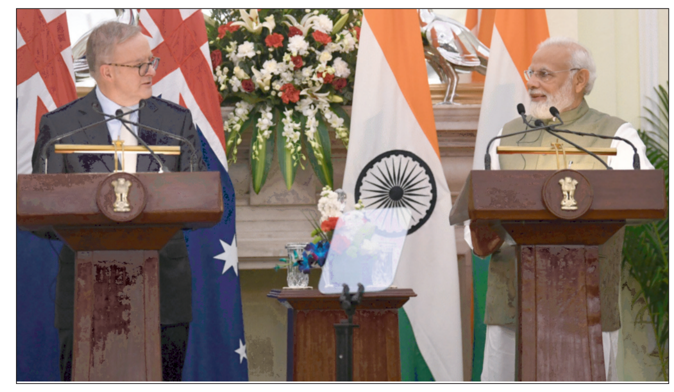

नयी दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को अपने ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष एंथनी अल्बनीज के समक्ष हाल ही में ऑस्ट्रेलिया में मंदिरों पर हुए हमलों का मुद्दा उठाया।

यह मामला उनकी उस व्यापक वार्ता के दौरान चर्चा के लिए आया, जिसका उद्देश्य समग्र संबंधों का विस्तार करना था। वार्ता के बाद संवाददाताओं को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में मंदिरों पर हमले की खबरें नियमित रूप से आ रही हैं। उन्होंने कहा, ''स्वाभाविक है, ऐसे समाचार भारत में सभी लोगों को चिंतित करते हैं और हमारे मन को व्यथित करते हैं।''

मोदी ने कहा कि उन्होंने इन भावनाओं और चिंताओं से प्रधानमंत्री अल्बनीज को अवगत कराया। प्रधानमंत्री ने कहा, ''उन्होंने मुझे आश्वस्त किया है कि भारतीय समुदाय की सुरक्षा उनके लिए विशेष प्राथमिकता है।'' भारतीय प्रधानमंत्री ने कहा कि इस विषय पर दोनों देशों के दल नियमित रूप से संपर्क में रहेंगे और यथासंभव सहयोग करेंगे।

मोदी ने कहा कि उन्होंने अपने ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष के साथ हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा और आपसी सुरक्षा बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। मोदी ने कहा, ''हमने विश्वसनीय और मजबूत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला विकसित करने के लिए आपसी सहयोग पर चर्चा की।'' प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि दोनों पक्ष एक व्यापक आर्थिक समझौते पर काम कर रहे हैं। मोदी ने कहा, ''रक्षा के क्षेत्र में हमने पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय समझौते किए हैं, जिनमें एक-दूसरे की सेनाओं के लिए साजो-सामान संबंधी सहयोग भी शामिल है।''

अल्बनीज ने अपनी टिप्पणी में कहा कि मोदी और वह भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते को जल्द से जल्द पूरा करने पर सहमत हुए। उन्होंने कहा, ''मुझे उम्मीद है कि हम इस साल इसे अंतिम रूप दे देंगे। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री अहमदाबाद और मुंबई में अपने कार्यक्रमों के समापन के बाद बृहस्पतिवार की शाम को दिल्ली पहुंचे।

बिजली सब्सिडी मामले पर DERC की सलाह पर 15 दिनों के भीतर लें फैसला, मुख्य सचिव को एलजी का फरमान

एनटीवी संवाददाता

2018 में डीईआरसी ने दिल्ली से पूछा था कि सरकार उपभोक्ताओं के खाते में सीधे बिजली सब्सिडी हस्तांतरित करने पर विचार करेगी। बावजूद इसके डीबीटी के बजाय आम आदमी पार्टी सरकार निजी डिस्कॉम को सब्सिडी का भुगतान करती रही।

दिल्ली। राजधानी दिल्ली में बिजली सब्सिडी के मामले में संज्ञान लेते हुए उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने मुख्य सचिव को दिल्ली बिजली नियायक आयोग (डीईआरसी) की वैधानिक सलाह के पालन के लिए इसे मंत्रिपरिषद के समक्ष रखते हुए 15 दिनों के भीतर निर्णय लेने को कहा है। मुख्यमंत्री को तत्कालीन ऊर्जा मंत्री की तरफ से व्यापार नियमों (टीओबीआर) की मिली खामियां बताते हुए मुख्यमंत्री से दिल्ली सरकार के सभी मंत्रियों से व्यापार नियमों का ईमानदारी से पालन करने का निर्देश देने का भी आग्रह किया है। आयोग की सलाह को लागू करने से 91-95 फीसदी उपभोक्ताओं को राहत मिलने के साथ ही सरकारी खजाने में 316 करोड़ रुपये तक की सालाना बचत होती।

आम आदमी पार्टी सरकार को डीईआरसी ने 2020 में एक वैधानिक सलाह जारी करते हुए दिल्ली सरकार से आर्थिक तौर पर कमजोर और जरूरतमंद उपभोक्ताओं तक बिजली सब्सिडी को सीमित रखने के लिए विचार करने को कहा था। इससे 1-5 किलोवाट बिजली की खपत करने वालों को सब्सिडी का 95 फीसदी लोगों को फायदा मिलता। साथ ही गैर जरूरी उपभोक्ताओं को जिनकी खपत अधिक है, उस मद में सालाना 200-316 करोड़ रुपये की सरकारी खजाने में बचत हो सकती थी।

डीईआरसी की सलाह को दरकिनार करते हुए बिजली विभाग व्यापार नियमों का उल्लंघन कर रहा है। कैबिनेट की बगैर मंजूरी बिजली सब्सिडी योजना को जारी रखा गया। इसके लिए वित्तीय स्वीकृति नहीं होने से 316 करोड़ का बोझ बढ़ा। इससे पहले 2018 में डीईआरसी ने दिल्ली से पूछा था कि सरकार उपभोक्ताओं के खाते में सीधे बिजली सब्सिडी हस्तांतरित करने पर विचार करेगी। बावजूद इसके डीबीटी के बजाय आम आदमी पार्टी सरकार निजी डिस्कॉम को सब्सिडी का भुगतान करती रही।

ओयो के फाउंडर रितेश अग्रवाल के पिता का निधन, 20वें माले से गिरकर हुई मौत

एनटीवी संवाददाता

गुरुग्राम सेक्टर-53 के एसएचओ के साथ एक टीम ने घटना स्थल का दौरा किया। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

नईदिल्ली। ओयो रूम्स के संस्थापक रितेश अग्रवाल के पिता रमेश अग्रवाल की शुक्रवार को अपने अपार्टमेंट की 20वीं मंजिल से गिरकर मौत हो गई। पुलिस रमेश अग्रवाल की आत्महत्या की संभावना से भी इनकार नहीं कर रही है। मामले की गहनता से जांच की जा रही है। दोपहर करीब एक बजे हुई इस घटना के बाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। इसके बाद शव को परिजनों को सौंप दिया गया। रितेश अग्रवाल की अभी सात मार्च 2023 को गीतांशा सूद से शादी हुई थी।

रमेश अग्रवाल डीएलएफ फेज-4 स्थित द क्रेस्ट कंडोमिनियम में अपनी पत्नी के साथ रहते थे। पुलिस उपायुक्त (पूर्व) वीरेंद्र विज ने बताया कि पुलिस को शुक्रवार को सूचना मिली कि एक व्यक्ति की 20वीं मंजिल से गिरने से मौत हो गई है। मृतक की पहचान ओयो रूम्स के संस्थापक रितेश अग्रवाल के पिता रमेश अग्रवाल के रूप में हुई। हादसे के वक्त रितेश अग्रवाल, उनकी मां और उनकी नव विवाहित पत्नी गीतांशा फ्लैट में ही मौजूद थे।

बताया गया है कि रितेश अग्रवाल अपने पिता के साथ इस अपार्टमेंट में नहीं रहते थे। रितेश अग्रवाल का परिवार मूल रूप से ओडिशा के रयागदा का रहने वाला है। यहां पर उनके पिता रमेश अग्रवाल सिम कार्ड बेचने की छोटी सी दुकान चलाया करते थे। बीती सात मार्च को रितेश अग्रवाल की शादी में देश-दुनिया की दिग्गज हस्तियां शामिल हुई थीं। इसमें जापानी कंपनी सॉफ्ट बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मासायोशी सोन भी पहुंचे थे। जिनसे रितेश और उनकी पत्नी ने पैर छूकर आशीर्वाद लिया था। इसके अलावा हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल भी वर-वधु को आशीर्वाद देने पहुंचे थे

रितेश अग्रवाल ने जारी किया बयान

रितेश अग्रवाल ने बयान जारी कर कहा है कि इस वक्त उनके परिवार की निजता का सम्मान किया जाए। उन्होंने कहा है कि भारी मन के साथ मैं यह साझा करना चाहता हूं कि हमारे मार्गदर्शक मेरे पिता रमेश अग्रवाल का 10 मार्च को निधन हो गया है। उन्होंने पूरा जीवन जिया और मुझे व हम सभी को प्रेरित किया। उनका निधन हमारे परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। मेरे पिता ने हमें हमारे सबसे कठिन समय में आगे बढ़ाया। उनके शब्द हमारे दिलों में गूंजते रहेंगे।

पुलिस अधिकारी बोले

पुलिस की प्रारंभिक जांच में आत्महत्या की बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता। बीसवीं मंजिल के जिस अपार्टमेंट की बालकनी से रमेश अग्रवाल गिरे हैं, उसकी रेलिंग साढे. तीन फीट ऊंची है। ऐसे में यहां से गिरना हादसा नहीं हो सकता। हालांकि पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। परिवार की ओर से भी किसी प्रकार की शिकायत नहीं की गई है।

-वीरेंद्र विज, पुलिस उपायुक्त (पूर्व)

दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष बनाए गए सोमनाथ भारती, सौरभ भारद्वाज के मंत्री बनने के बाद खाली था पद

नई दिल्ली। सोमनाथ भारती मालवीय नगर से विधायक हैं। इससे पहले वह दिल्ली सरकार में कानून, पर्यटन, प्रशासनिक सुधार, कला और संस्कृति मंत्री चुके हैं। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष रामनिवास गोयल ने दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष पद पर पूर्व मंत्री सोमनाथ भारती को नियुक्त किया है। वह हाल ही में मंत्री बनाए गए सौरभ भारद्वाज की जगह लेंगे। दिल्ली विधानसभा सचिवालय ने शुक्रवार को सोमनाथ भारती की नियुक्ति के संबंध में अधिसूचना जारी की। मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र से लगातार तीन बार विधायक चुने गए सोमनाथ भारती वर्ष 2013 में अरविंद केजरीवाल की बनी पहली सरकार में मंत्री बने थे। केजरीवाल की 49 दिनों तक चली इस सरकार में सौरभ भारद्वाज भी मंत्री थे, मगर सोमनाथ भारती को केजरीवाल की दूसरी और तीसरी सरकार में मंत्री पद नहीं दिया गया।

पिछले नौ वर्षों में 'महिला विकास' से 'महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास' की ओर बढ़ा भारत: मोदी

नयी दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों में यूनिकॉर्न बनाने पर जोर देते हुए शुक्रवार को कहा कि भारत पिछले नौ वर्षों में 'महिला विकास' से 'महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास' की ओर बढ़ा है।

'महिला सशक्तिकरण' पर बजट पश्चात एक वेबिनार को संबोधित करते हुए मोदी ने इस बात को रेखांकित किया कि आज भारत में इंजीनियरिंग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में महिलाओं के दाखिले का आंकड़ा 43 प्रतिशत है, जो अमेरिका, ब्रिटेन और जर्मनी जैसे विकसित देशों की तुलना में कहीं अधिक है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा का क्षेत्र हो या खेल का मैदान हो, व्यवसाय हो या राजनीति हो, भारत में महिलाओं की केवल भागीदारी ही नहीं बढ़ी है, बल्कि वे हर क्षेत्र में आगे आकर नेतृत्व कर रही हैं।

मोदी ने कहा कि आज भारत में ऐसे अनेक क्षेत्र हैं जिनमें महिलाशक्ति का सामर्थ्य नजर आता है। उन्होंने कहा कि जिन करोड़ों लोगों को मुद्रा लोन दिये गए, उनमें से करीब 70 प्रतिशत लाभार्थी देश की महिलाएं हैं और ये करोड़ों महिलाएं अपने परिवार की आय ही नहीं बढ़ा रही हैं, बल्कि अर्थव्यवस्था के नए आयाम भी खोल रही हैं। उन्होंने कहा, ''क्या हम स्वयं सहायता समूहों में भी यूनिकॉर्न बना सकते हैं ? हमने इस साल के बजट में यह दृष्टिकोण भी पेश किया है।''

यूनिकॉर्न ऐसी कंपनियां होती हैं, जो शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुए बिना एक अरब अमेरिकी डॉलर तक का कारोबार कर सकती हैं।

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि मुद्रा ऋण योजना के तहत लगभग 70 प्रतिशत लाभार्थी महिलाएं हैं।

मोदी ने महिलाओं के प्रति सम्मान की भावना को उनकी समानता से भी जोड़ा। उन्होंने कहा, ''महिलाओं का सम्मान बढ़ाकर, समानता का भाव बढ़ाकर ही भारत तेजी से आगे बढ़ सकता है।''

उन्होंने कहा कि यह खुशी की बात है कि इस वर्ष के बजट को देश ने 2047 तक विकसित भारत बनाने के लक्ष्य की पूर्ति की एक शुरुआत के रूप में देखा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में देश महिलाओं के नेतृत्व में विकास की दूरदृष्टि को लेकर आगे बढ़ा है और इन प्रयासों को हमने वैश्विक मंच पर भी ले जाने की कोशिश की है। उन्होंने कहा, ''इस वर्ष का बजट भी महिलाओं के नेतृत्व में विकास के प्रयासों को नई गति देगा।'' उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत ने जिस प्रकार महिला सशक्तीकरण के लिए काम किया है, आज उसके परिणाम नजर आने लगे हैं। उन्होंने कहा, ''आज हम देख रहे हैं कि भारत में, पुरुषों की तुलना में महिलाओं की संख्या बढ़ रही है। पिछले 9-10 वर्षों में हाईस्कूल या उसके आगे की पढ़ाई करने वाली लड़कियों की संख्या तीन गुना बढ़ी है।''

प्रधानमंत्री ने नारीशक्ति की संकल्पशक्ति, इच्छाशक्ति, उनकी कल्पना शक्ति, उनकी निर्णय शक्ति, त्वरित फैसले लेने की उनकी सामर्थ्य, निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए उनकी तपस्या और उनके परिश्रम की पराकाष्ठा को मातृशक्ति की पहचान बताया और कहा कि सरकार जब महिलाओं के नेतृत्व में विकास की बात करती है तो उसका आधार यही शक्तियां हैं। उन्होंने कहा, ''यही शक्तिसमूह इस शताब्दी में भारत के स्केल और स्पीड को बढ़ाने में बहुत बड़ी भूमिका निभा रहा है।''

शुक्लागंज में झोलाछाप डॉक्टर चला रहे हैं अस्पताल

झोलाछाप डॉक्टरों की भी बाढ़ आ गई है हर गली हर कोने में मिल जाएंगे इनके पास ना तो डिग्री है ना डिप्लोमा

एनटीवी संवाददाता

गाजियाबाद। मानकों के विपरीत चल रहे हैं प्राइवेट अस्पताल व बड़े पैमाने पर सक्रिय हैं झोलाछाप डॉक्टर गंगा घाट शुक्लागंज व आसपास के क्षेत्र में प्राइवेट अस्पताल संचालकों की मनमानीऔर दबंग गई से फल फूल रहे ऐसे अस्पताल जो किसी भी स्तर पर मानकों पर खरे नहीं उतरते वही इलाज कराने वालों मरीजों और उनके परिजनों से मोटी रकम लेकर उनका इलाज कर रहे हैं अक्सर ऐसा होता है इलाज के दौरान जब मरीज जब ठीक नहीं होता है उसकी रकम ठगने के बाद संचालकों द्वारा या कह दिया जाता है की बीमारी बहुत बड़ी है यहां पर इनका इलाज नहीं हो पाएगा किसी अच्छे और बड़े अस्पताल में ले जाओ या फिर सरकारी अस्पतालों में उन्हें भेज

दिया जाता है इस तरह होता है इलाज के नाम पर ठगी का यह खेल काफी समय से खेला जा रहा है शासन-प्रशासन के अधिकारियों को जानकारी होने के बावजूद ऐसे प्राइवेट अस्पतालों पर किसी प्रकार की कोई भी दंडात्मक कार्यवाही नहीं की जाती है जिससे यह प्रतीत होता है अस्पताल संचालकों चिकित्सा विभाग के बाबू अधिकारियों की मिलीभगत से ही ऐसे अस्पतालों का संचालन संभव हो पा रहा है साथ ही गंगा घाट शुक्लागंज में झोलाछाप डॉक्टरों की भी बाढ़ आ गई है हर गली हर मोहल्ले नुक्कड़ व हर कोने में मिल जाएंगे इनके पास ना तो डिग्री है ना डिप्लोमा फर्जी दवाखाना खोलें बैठे हैं कुछ डॉक्टर तो डिग्री डिप्लोमा दिखाते हैं वह भी फर्जी लगता है उनकी जांच की जानी चाहिए ऐसे झोलाछाप डॉक्टरों के द्वारा भोली भाली मासूम जनता के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है ऐसे झोलाछाप डॉक्टर को जो अपनी जेबें भर रहे हैं लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं इनके ऊपर भी कठोर दंडात्मक कार्यवाही की जानी चाहिए लेकिन इनके विरुद्ध भी किसी प्रकार की कोई कार्यवाही नहीं होती है जिससे इनका मनोबल बड़ा रहता है जिस कारण निरंतर इनका क्लीनिक चलता रहता है ऐसे डॉक्टरों को चिन्हित कर उनकी फर्जी डिग्री या डिप्लोमा की जांच की जाए और उनके विरुद्ध कठोर कार्यवाही करते हुए उनको दंडित किया जाए जिससे भविष्य में इस प्रकार के फर्जी क्लीनिक ना खोल सके और ना ही जनता के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर सके ऐसी स्थिति को देखते हुए सवाल तो बनता है कि ऐसे डॉक्टरों और प्राइवेट अस्पताल संचालकों के विरुद्ध कोई कार्यवाही क्यों नहीं की जाती इससे यह स्पष्ट हो जाता है कि अधिकारियों और झोलाछाप डॉक्टरों व प्राइवेट अस्पताल संचालकों की आपस में मिलीभगत है जिस कारण किसी प्रकार की कोई कार्यवाही नहीं होती है।

एनटीवी संवाददाता

मथुरा। हमारे शहरों का विकास कैसा हो, कैसे वैज्ञानिक तरीकों से हम किसानों के एवं जन सामान्य के जीवन को सुगम बनाकर लाभान्वित कर सकते हैं। यह सोच छात्र छात्राओं ने अपने मॉडलों में उकेरकर सभी को हैरान कर दिया। बच्चों की प्रतिभा एवं वैज्ञानिक सोच की हर किसी ने तारीफ की। मौका था शहर के जीडी पब्लिक स्कूल में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर आयोजित प्रदर्शनी का। जिसमें छात्र छात्राओं ने विज्ञान से संबंधित चार्ट मॉडल प्रोजेक्ट आदि की प्रदर्शनी लगाई। कार्यक्रम का उद्घाटन भाजपा महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष ज्योति अग्रवाल ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया। मुख्य अतिथि अग्रवाल ने चार्ट मॉडल और लाइव प्रोजेक्ट का विधिवत रूप से अध्ययन किया। छात्र छात्राओं से रोचक विज्ञान से संबंधित बातें की। कार्यक्रम में स्कूल चेयरमैन डॉ. पवन शर्मा, सीमा शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। प्रधानाचार्य गरिमा शर्मा ने कहा कि बचपन से यदि बच्चे विज्ञान की और रुचि रखें तो हमारा देश विश्व गुरु बन जाएगा। हेमलता, पूनम जांगिड़, बबीता, प्रेमवती, ज्योति, दयावती आदि मौजूद थे।

आश्रम की वृद्ध माताओं ने जमकर खेली फूलों की होली

एनटीवी संवाददाता

मथुरा। राधाकुंड में स्थित मैत्री विधवा आश्रम पर निराश्रित माताओं द्वारा कन्हैया के संग फूलों की होली खेली। विधवा माताओं ने अपने बेरंग जीवन में कन्हैया के साथ रंग और फूल बरसाए जीवन के अंतिम पड़ाव पर वृद्ध माताओं के जीवन में ना कोई खुशी ना ही कोई चाहा बेरंग हो चुकी जिंदगी में होली ने खुशियों के रंग भरे तो विधवा माताओं के चेहरे पर मुस्कान आ गई।एक दूसरे के गालों पर गुलाल लगाया और कन्हैया के ऊपर फूलों की पंखुड़ियां बरसाए मैत्री विधवा आश्रम में रह रही निराश्रित माताओं ने जब होली खेली तो उन्हें ऐसा लगा सारे संसार की खुशियां उन्हें मिल गई। मैत्री विधवा आश्रम में सदियों पुरानी परंपराओं को तोड़ते हुए एक बार फिर रंगों का त्योहार विधवा माताओं ने आश्रम में मनाया।होली महोत्सव समारोह वृद्ध माताओं के लिए यादगार समारोह बन गया।आश्रम में रहने वाली अधिकतर विधवा माता पश्चिम बंगाल की रहने वाली है। कृष्ण भजन के साथ नाचते गाते हुए कन्हैया के साथ होली खेल कर उन्हें सारे संसार की खुशियां मिल गई।

राजकुमारी दासी ने बताया हमारी जिंदगी ही निराश हो चुकी है। होली ने कुछ पल के लिए जो खुशियां हमें दी वह पूरी जिंदगी हमें याद रहेगी।मैत्री विधवा आश्रम के संचालक पूर्व जर्नल भूपेंद्र सिंह ने बताया होली महोत्सव का आयोजन विधवा माताओं की खुशी और बेरंग जिंदगी में रंग भरने के लिए प्रतिवर्ष आश्रम में होली महोत्सव का आयोजन किया जाता है।

कृष्णा नगर को सुंदर बनाने का प्लान तैयार कर रहा नगर निगम

एनटीवी संवाददाता

मथुरा। कृष्णा नगर मार्केट के सौंदर्यीकरण के सम्बन्ध में नगर आयुक्त अनुनय झा द्वारा नगर मजिस्ट्रेट एवं सौन्दर्यीकरण के सम्बन्धित सभी विभागों के अधिकारी तथा अभियंताओं के साथ नगर निगम कार्यालय में बैठक ली गयी। बैठक उपरान्त नगर आयुक्त द्वारा कृष्णा नगर सौंख रोड तिराहा से गोवर्धन चैराहा तक के मार्ग का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उपस्थित अधिकारियों को मार्ग पर लगे पोल, विद्युत बॉक्स एवं ट्रांसफार्मर को शिफ्ट अथवा व्यवस्थित किये जाने के लिए सर्वे कराये जाने के निर्देश दिये गये। इसके साथ ही कृष्णा नगर रोड के साइड वॉल पर वाल पेंटिंग कराये जाने पर चर्चा की गयी। निरीक्षण के दौरान जिन दुकानों प्रतिष्ठान संचालकों द्वारा अपने प्रतिष्ठान के सामान होर्डिंग लगाकर आदि लगाकर अतिक्रमण हुआ था। उनसे नगर आयुक्त महोदय द्वारा प्रेमपूर्वक पुनः सामान को हटाये जाने हेतु कहा

गया। प्रतिष्ठान मालिक प्रबंधकों को अवगत कराया गया कि भविष्य में पुनः निरीक्षण किया जायेगा। निरीक्षण के दौरान यदि सामान आदि दुकान से बाहर रखा पाया जाता है तो सामान जब्तीकरण की कार्यवाही अमल में लायी जायेगी। बैठक एवं निरीक्षण के दौरान नगर मजिस्टेªट मथुरा सौरभ दुबे, अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार, सहायक नगर आयुक्त राज कुमार मित्तल, डिप्टी कलेक्टर मथुरा सिद्धार्थ चैधरी, सहायक अभियंता लोक निर्माण विभाग मनोज कुमार, अधिशासी अभियंता एसपी मिश्र, महाप्रबंधक जल विजय नारायण मौर्य, विपिन कुमार अभियंता विद्युत विभाग, मन्नन खान डिप्टी मैनेजर एनएचएआई, आरके माहेश्वरी सहायक अभियंता विद्युत मथुरा वृन्दावन विकास प्राधिकरण, सुशमा सिंह मनोरंजन विभाग, आलोक त्रिवेदी अभियंता बीएसएनएल, ऋचा कौशिक टाउन प्लानर मथुरा वृन्दावन विकास प्राधिकरण आदि अधिकारी उपस्थित रहे।

पत्रकार पर प्राणघातक हमले में भाजपा जिलाध्यक्ष का भाई नामजद

जौनपुर उत्तर प्रदेश के जौनपुर में एक निजी समाचार चैनल के जिला संवाददाता देवेंद्र खरे के ऊपर हुए हमले के सिलसिले में जौनपुर के भाजपा जिला अध्यक्ष के छोटे भाई ऋतुराज सिंह छोटू एवं दो अन्य लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ है। पुलिस ने इसकी जानकारी दी ।

पुलिस के मुताबिक शनिवार की देर शाम देवेंद्र खरे पर लाइनबाजार थाना क्षेत्र के चांदपुर के निकट स्थित उनके उनके कार्यालय में हमला किया गया ।पत्रकार के दाहिने हाथ में चोट आयी है।

पत्रकार देवेंद्र खरे का कहना है कि हमलावरों द्वारा चलाई गई गोली हाथ में लगी है ।

पुलिस अधीक्षक अजय पाल शर्मा ने बताया कि पत्रकार पर हुए हमले में दोषियों को नही बख्शा जयेगा वो चाहे कितना भी प्रभावशाली क्यो न हो। उन्होंने बताया कि सम्बंधित थाने की पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है। इस

मामले में जिसका भी हाथ होगा उसे पुलिस गिरफ्तार कर कानूनी कार्यवाही करेगी।

घटनास्थल से सम्बंधित थाना लाइनबाजार के प्रभारी निरीक्षक आदेश त्यागी ने बताया कि पत्रकार पर हमले की घटना किन परिस्थितियों में हुई पुलिस इसके लिए आधा दर्जन लोगों से पूछताछ कर रही है।

उन्होंने बताया इस पूरे प्रकरण की पुलिस छानबीन कर दोषियों पर उचित कार्यवाही करेगी। उन्होंने बताया कि घायल पत्रकार का मेडिकल परीक्षण कराया गया है।

त्योहार हमारे आपसी भाईचारे का प्रतीक -सीओ इंदु सिद्धार्थ

एनटीवी संवाददाता

नहटौर ।थाने में आयोजित शांति समिति की बैठक में सीओ इंदु सिद्धार्थ व एसडीएम मनोज कुमार सिंह ने कहा कि त्यौहार हमारे आपसी भाईचारा का प्रतीक है ।हमें मिलजुलकर मनाना चाहिए। त्योहारों पर शरारती तत्वों पर कड़ी नजर रखी जाएगी ।यदि कोई खुराफात करता हुआ पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

नहटौर थाने में होली पर्व के मद्देनजर शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने भाग लिया। बैठक में आए एसडीएम मनोज कुमार सिंह व सीओ इंदु सिद्धार्थ ने कहा कि होली का पर्व आपसी भाईचारे से मनाएं और कोई ऐसा कार्य ना करें जिससे किसी की भावना को ठेस पहुंचे। साथ ही उन्होंने होली रंग जुलूस आदि के रूट की जानकारी लेते हुए कहा कि होली के पर्व पर शरारती तत्वों पर सख्त

नजर रखी जाएगी यदि कोई खुराफात करता हुआ पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने गणमान्य लोगों से भी अपील की यदि कोई शरारती तत्व खुराफात करता हुआ दिखाई देता है तो उसकी सूचना समय रहते पुलिस को दें ताकि उस पर कार्रवाई की जा सके। इस मौके पर होली कमेटी के अध्यक्ष विचित्र अग्रवाल भाजपा नगर अध्यक्ष सिद्धांत जैन कपिल शर्मा अंकुश अग्रवाल गुलाम साबिर सिद्दीकी इमरान निजामी मुमताज प्रधान विशाल हाशमी अंकुर जैन हाजी यामीन फारुकी खतीज अहमद सुभाष सैनी महावीर सैनी कृष्णा वर्मा कमल सैनी उदय जोशी मनोज सैनी रंजीत जोशी आदि ने भाग लिया।

एनसीआर

एसीएमओ द्वारा जच्चा बच्चा केंद्र को किया सीज

झोलाछाप संचालक व संचालिका के पास नहीं मिले जच्चा बच्चा केंद्र के दस्तावेज

एनटीवी संवाददाता

नगीना। झोलाछाप के गलत इलाज से 2 दिन पूर्व नवजात शिशुओं व दो महिलाओं की हालत बिगड़ने को लेकर नगर में एक अवैध रूप से चल रहे जच्चा - बच्चा केंद्र में मौत हुई थी जो की मंगलवार को एसीएमओ द्वारा सीज किया गया है तथा एसीएमओ ने बताया कि यदि जच्चा बच्चा केंद्र के झोलाछाप संचालक व संचालिकाओं के पास चिकित्सा संबंधी कागजात सही नहीं मिले तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की जाएगी। वहीं बीते दो दिनो में झोलाछाप चिकित्सिका बेबी रानी व नीतू रानी द्वारा रेफर हुई जच्चा को इसी के मौसेरे भाई जच्चा बच्चा केंद्र में भर्ती करवाया गया था तथा जच्चा के परिजनों ने आरोप लगया हैं कि इसी

के मौसेरे भाई जच्चा बच्चा केंद्र के झोलाछाप संचालक द्वारा जच्चा को भर्ती करवाने के नाम पर 20 हजार रुपये की मोटी रकम तो पहले जमा करवा ली गयी थी तथा डिस्चार्ज करने के नाम पर भी झोलाछाप संचालक हमसे फिर मोटी रकम मांग रहा हैं मोटी रकम न मिलने पर हमारे मरीज (जच्चा) को बंधक बनाए हुए हैं। नगर के मोहल्ला लाल सराय नहर किनारे स्थित अनाया क्लीनिक के नाम से जच्चा बच्चा केंद्र पिछले काफी समय से ऐसी घटनाओं को अंजाम देता आ रहा था लेकिन जच्चा बच्चा केंद्र पर किसी भी तरह की कोई

कार्रवाई नहीं होती थी तथा दोनों नवजात शिशुओं की मौत की खबरें सभी हिंदी राष्ट्रीय समाचार पत्रों में खबर छपने के बाद से हरकत में आए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कुंभकरण की निंद्रा से जगकर नगर में अपनी पोस्ट को अहमियत देते हुए एसीएमओ द्वारा अवैध रूप से चल रहे जच्चा बच्चा केंद्र को सीज कर एक ईमानदारी की मिसाल पेश की है दूसरी ओर इसी के मौसरे भाई लीलावती जच्चा बच्चा केंद्र में भर्ती दूसरी महिला गुलिस्ता खातून को एक बंधक की तरह बनाकर झोलाछाप संचालक अर्जुन ने जच्चा को एक कमरे में कर रखा है तथा गुलिस्ता खातून के परिवार वालो झोलाछाप चिकित्सक से बोलते हैं कि साहब हमारे पास और पैसे नहीं है हमें हमारा मरीज हमारे घर भिजवा दीजिए जितने पैसे थे हमारे पास वह हमने जमा करवा दिए हैं इस पर झोलाछाप संचालक अर्जुन साहब बोलते हैं कि पहले मेरी फीस दो उसके बाद अपने घर जाना इस पर खातून के परिवार वालों ने इसकी शिकायत थाना नगीना व विभागीय अधिकारियों को कर न्याय की गुहार लगाई है ।

उधर जबकि यह जगजाहिर है कि नगर क्षेत्र में विशेष रुप से नेशनल हाईवे 74 पर बिजनौर रेलवे फाटक से कस्बा कोटरा धामपुर रोड दर्जनों झोलाछाप के आलीशान नर्सिंग होम चल रहे हैं जिन पर आए दिन जच्चा या बच्चे की मौत होना अखबारों की सुर्खियों में रहता है और बार-बार मुख्य चिकित्सा अधिकारी उच्च अधिकारियों से मौखिक और लिखित शिकायतें होती रही है शिकायतों के आधार पर क्षेत्र के डिप्टी सीएम नोडल अधिकारी जांच पड़ताल कर उनके नर्सिंग होम तो सील कर जाते हैं पर मोटी रकम लेकर दो-चार दिन बाद ही सील अपने आप टूट कर नर्सिंग होम चलता दिखाई देता है इन सब को लेकर नर्सिंग होम के संचालक स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत से बिना डर के नर्सिंग होम चला रहे हैं और जच्चा बच्चा के जीवन से खिलवाड़ कर रहे हैं।

माल गोदाम पर फुट ओवर ब्रिज निर्माण के लिए अपर जिलाधिकारी को मांग पत्र सौंपा

एनटीवी संवाददाता

नजीबाबाद ।के माल गोदाम पर फुट ओवर ब्रिज निर्माण के लिए अपर जिलाधिकारी प्रशासन को एक मांग पत्र सौंपा गया ! नजीबाबाद के आदर्श नगर निवासी आरटीआई कार्यकर्ता मनोज शर्मा ने अपर जिलाधिकारी प्रशासन विनय कुमार सिंह से मुलाकात कर उनसे नजीबाबाद के माल गोदाम पर फुट ओवर निर्माण के लिए बजट उपलब्ध कराने हेतु शासन को पत्र लिखने का आग्रह किया। पत्र में आरटीआई कार्यकर्ता ने उन्हें बताया कि अभी तक उक्त स्थान पर 2017 से 55 लोगों की मृत्यु तथा 14 लोग घायल हो चुके हैं तथा पूर्व में मंडल रेल प्रबंधक कार्यलय मुरादाबाद की इंजीनियरिंग शाखा फुटओवर ब्रिज निर्माण के लिए जिलाधिकारी कार्यालय को फुट

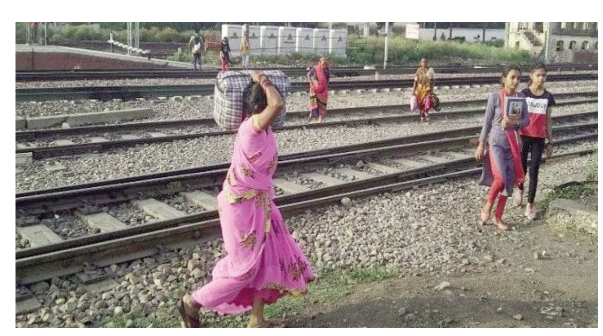

ओवर ब्रिज का नक्शा तथा लागत संबंधी कागज भी उपलब्ध करा चुके हैं इसके अलावा बीते वर्ष उप जिलाधिकारी नजीबाबाद तथा पुलिस क्षेत्राधिकारी ने मौके का निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट जिलाधिकारी कार्यालय बिजनौर को भेज चुके हैं जिसमें फुटओवर ब्रिज निर्माण को जरूरी बताया गया।

आरटीआई कार्यकर्ता ने फुटओवर ब्रिज निर्माण से संबंधित लागत के कागज, नक्शा, उप जिलाधिकारी नजीबाबाद द्वारा भेजी गई रिपोर्ट तथा मृतकों और घायलों की संख्या के दस्तावेज भी अपर जिलाधिकारी प्रशासन विनय कुमार सिंह को दिए।

अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने आरटीआई कार्यकर्ता को कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

एसडीएम मनोज कुमार ने एचडीएफसी बैंक शाखा का किया उद्घाटन

एनटीवी संवाददाता

स्योहारा। मंगलवार दोपहर धामपुर मुरादाबाद मार्गपर पूजा अर्चना करने के बाद एचडीएफसी बैंक की शाखा का भव्य उदघाटन एसडीएम मनोज कुमार, पुलिस क्षेत्राधिकारी इन्दु सिद्धार्थ, शुगर मिल अधिशासी अध्यक्ष सुखवीर सिंह, वरिष्ठ समाजसेवी चिकित्सक डा.मनोज कुमार वर्मा, व्यापारी नेता अरुण कुमार वर्मा, एचडीएफसी के क्लस्टर हेड अरुण गुप्ता व शाखा प्रबंधक स्योहारा रोहित भारद्वाज ने संयुक्त रुप से फीता काट कर किया। इस मौके पर शाखा प्रबंधक स्योहारा रोहित भारद्वाज ने बताया कि हमारी शाखा खोलने का उद्देश्य स्योहारा एवं आसपास की जनता जो हमारे यहां ग्राहक होंगे उन्हें बैंकिंग कार्य में ज्यादा से ज्यादा सुविधा उपलब्ध करायी जाये। एचडीएफसी बैंक कार्य में डिजिटल सुविधाएं अन्य बैंक की अपेक्षा ज्यादा है वह अपनी ऑनलाइन बैंकिंग के जरिए घर बैठे हमारे बैंक का लाभ ले सकते हैं।

तमिलनाडु के नमक्कल स्पोर्ट्स स्टेडियम में राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता आयोजित

नजीबाबाद ।कमालपुर - सुखिया देवी मैमोरियल पब्लिक स्कूल के कक्षा 7 के छात्र जतिन तोमर को टाईकवांडो नेशनल प्रतियोगता में गोल्ड जीत कर लाने पर एसडीएम नजीबाबाद विजयवर्धन तोमर ने सम्मानित किया। तमिलनाडु के नमक्कल स्पोर्ट्स स्टेडियम में राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें जिसमें नजीबाबाद के एसडीएम पब्लिक स्कूल खाईखेड़ी के कक्षा 7 के छात्र जतिन तोमर ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया जतिन तोमर के पांच राज्यों के साथ मैच हुए जिसमें फाइनल फाइट आंध्र प्रदेश के साथ हुई जतिन तोमर ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए आंध्रप्रदेश को 10 पॉइंट से हराया नंजीबाबाद ही नही बिजनौर जिले का नाम भी राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया जिसके लिए एसडीएम नजीबाबाद विजयवर्धन तोमर व नायब तहसीलदार सार्थक चावला व एसडीएम पब्लिक स्कूल के एमडी व भाकियू टिकैत के मंडल अध्यक्ष बाबूराम तोमर ने संयुक्त रूप से जतिन तोमर व जतिन तोमर के पिता रामेंद्रसिंह एडवोकेट व स्कूल टाईकवांडो कोच रिंकू वर्मा को सम्मानित करते हुए जतिन तोमर को मेडल पहनाकर सम्मानित किया।

प्रधानमंत्री सिचाई योजना में चयनित हुए जिले के दो विकास खण्ड

बिजनौर। जिलाधिकारी उमेश मिश्रा द्वारा योजना के परिपेक्ष में सभी का आवाह्न किया गया कि यह योजना भूगर्भ जल के निरंतर गिरते हुए स्तर को सुधारने के लिए चलाई जा रही है, आप भली-भांति अवगत है कि जल हमारे जीवन के लिए महत्वपूर्ण है तथा लाभकारी फसलों का उत्पादन जल के बिना संभव नहीं है। इस योजना में कृषि एवं कृषि से संबंधित सभी विषयों को सम्मिलित किया गया है। उन्होंने निर्देश दिए कि कृषि के क्षेत्र में जहां कहीं भी गैप हो, इस योजना से पूर्ण करते हुए कृषि को लाभकारी बनाएं। उन्होंने कहा कि कि कृषि एवं पशुपालन व डेयरी एक दूसरे के पूरक है और बिना पशुपालन के खेती संभव नहीं है। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी को जागरूक करें और सभी से आवाह्न करें कि वे पशुओं को निराश्रित न छोड़ें, बल्कि पशुपालन एवं डेयरी को लाभकारी बनाते हुए पशुओं से प्राप्त गोबर व गोमूत्र का उपयोग प्राकृतिक खेती में करें। उन्होंने मधुमक्खी पालन के साथ-साथ सब्जी एवं फलों की खेती पर भी जोर दिया।

सड़क दुर्घटना में मौत होने पर बैंक ने पाच लाख का चेक सौंपा

एनटीवी संवाददाता

अफजलगढ़ ।सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वाले किसान की पत्नी को केयर हेल्थ बीमा कम्पनी द्वारा प्रथमा यूपी ग्रामीण बैंक की शाखा सीरबासुचंद में आयोजित गोष्ठी में पांच लाख रूपये की राशि का चैक सौंपा गया। ग्राम गोवर्धनपुर उर्फ नाबका निवासी उपेन्द्र कुमार का प्रथमा यूपी ग्रामीण बैंक की शाखा सीरवासुचंद में किसान क्रेडिट कार्ड का खाता खुला हुआ था। किसान ने केयर हेल्थ बीमा कम्पनी की ओर से बीमा कराया हुआ था , जिसकी किस्त उक्त बैंक खाते से ही जमा होती थी। 23 नवंबर , 2022 को अज्ञात वाहन की चपेट में आकर किसान उपेन्द्र कुमार की मृत्यु हो गई थी। मंगलवार को प्रथमा यूपी ग्रामीण बैंक एवं केयर हेल्थ बीमा कम्पनी द्वारा बैंक शाखा सीरवासुचंद में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें बैंक के वरिष्ठ क्षेत्रीय प्रबंधक राजेन्द्र सिंह ने बैंक उपभोक्ताओं को उनके हित में चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी ।

न्यूज ब्रीफ

देखते ही देखते लोगों की पहली पसंद बन गया ये इलेक्ट्रिक स्कूटर, इसे खरीदने टूट पड़े लोग

नई दिल्ली. भारतीय बाजार में अब इलेक्ट्रिक व्हीकल ना सिर्फ लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींच रहे हैं, बल्कि इनकी सेल्स के आंकड़ों में भी रिकॉर्ड ग्रोथ देखने को मिल रही है। पिछले महीने 30 अक्टूबर तक 68,234 इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की सेल्स हुई। इस तरह इसमें 29% की रिकॉर्ड मंथली ग्रोथ देखने को मिली। इस ग्रोथ से ये बात साफ है कि अब लोगों को भरोसा इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की तरफ बढ़ रहा है। पिछले 2-3 महीनों के दौरान इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर में आग लगने के मामले भी सामने नहीं आए हैं, जिससे ये भरोस मजबूत हो रहा है। पिछले महीने ओला इलेक्ट्रिक को 53% की मंथली ग्रोथ मिली।

ओला इलेक्ट्रिक ने 15095 यूनिट बेचीं

ओला इलेक्ट्रिक अक्टूबर 2022 में सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बेचने वाली कंपनी बनी। उसने बीते महीने 53% की मंथली ग्रोथ के साथ 15,095 यूनिट बेचीं। लिस्ट में दूसरे नबंर पर ओकिनावा रही। इसने 38% की मंथली ग्रोथ के साथ 11,754 यूनिट सेल कीं। तीसरे नंबर पर एम्पीयर रही। इसने 36% की मंथली ग्रोथ के साथ 8812 यूनिट बेचीं। टीवीएस मोटर्स को 31% और बजाज ऑटो को 26% की मंथली ग्रोथ मिली। जबकि एथर एनर्जी को 11% की मंथली ग्रोथ मिली।

सितंबर में भी ओला इलेक्ट्रिक रही नंबर-1

सितंबर में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की 52,957 यूनिट्स बिकीं। जबकि अगस्त में ये आंकड़ा 50,474 यूनिट्स का था। यानी हर महीने इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर सेगमेंट में ग्रोथ दिख रही है। सितंबर 2022 में ओला इलेक्ट्रिक ने 9,616 इलेक्ट्रिक स्कूटर बेचे। कंपनी नवरात्रि-दशहरा ऑफर के चलते अपने ई-स्कूटर पर 10 हजार रुपए का डिस्काउंट दे रही थी। जिसके चलते इसे फायदा मिला। अक्टूबर में भी फेस्टिवल ऑफर के चलते ओला इलेक्ट्रिक को फायदा मिला।

ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर के फीचर्स

3 सेकेंड में 0 से 40 km की स्पीडः ओला ने S1 स्कूटर में 8.5 किलोवॉट पीक पावर जनरेट करने वाली मोटर लगाई गई है। इस मोटर को 3.9 किलोवॉट कैपेसिटी वाली बैटरी से जोड़ा गया है। ये 0 से 40 किलोमीटर की स्पीड सिर्फ 3 सेकेंड में पकड़ लेता है। इसकी टॉप स्पीड 115 किमी प्रति घंटा है। सिंगल चार्ज पर ये 181 किमी तक की रेंज देता है। इसमें राइडिंग के लिए नॉर्मेल, स्पोर्ट और हाइपर मोड मिलते हैं।

6 घंटे में फुल चार्जः स्कूटर के साथ कंपनी 750 वॉट का पोर्टेबल चार्जर देगी। इसकी मदद से बैटरी 6 घंटे में फुल चार्ज हो जाएगी। वहीं, ओला के हाइपरचार्जर स्टेशन पर 18 मिनट में 50% बैटरी चार्ज करा सकते हैं।

रिवर्स मोड भी मिलेगाः स्कूटर में रिवर्स मोड भी मिलेगा। इसकी मदद से गाड़ी को पार्किंग में लगाने में आसानी होगी। यदि किसी चढ़ाई वाली जगह पर स्कूटर को रोकना पड़ता है, तब मोटर उसे जगह पर रोककर रखेगी। यानी राइडर को स्पीड देने या उसे मेंटेंन करने की जरूरत नहीं होगी। इसमें क्रूज कंट्रोल मिलेगा, इससे स्कूटर को एक ही स्पीड में चला पाएंगे। इसके फ्रंट और रियर दोनों में डिस्क ब्रेक मिलेंगे। फ्रंट में मोनोशॉकर्स मिलेंगे।

7-इंच का डिस्प्ले मिलेगाः ओला ने इस स्कूटर में 7-इंच का टचस्क्रीन डिस्प्ले दिया है, जो मूव ऑपरेटिंग सिस्टम के साथ आता है। डिस्प्ले काफी शार्प और ब्राइट है। ये वाटर और डस्टप्रूफ है। इसमें ऑक्टा-कोर प्रोसेसर और 3GB रैम के साथ चिपसेट दिया है। ये 4G, वाईफाई और ब्लूटूथ कनेक्टिविटी को सपोर्ट करता है।

स्कूटर के साथ कोई चाबी नहीं मिलेगीः स्कूटर के साथ कंपनी चाबी नहीं दे रही है। आप इसे स्मार्टफोन ऐप और स्क्रीन की मदद से लॉक-अनलॉक कर पाएंगे। इसमें सेंसर दिए हैं, जिससे आप जैसे ही स्कूटर के पास आएंगे स्कूटर नाम के साथ हाय करेगा और दूर जाने पर नाम के साथ बाय करेगा।

स्कूटर का स्पीडोमीटर बदल पाएंगेः इसके डिस्प्ले में जो स्पीडोमीटर मिलेगा, उसमें कई तरह के फेस मिलेंगे। जैसे आप डिजिटल मीटर, पुराने गाड़ी जैसा मीटर या दूसरा फॉर्मेट चुन पाएंगे। खास बात है कि आप जैसा मीटर सिलेक्ट करेंगे स्कूटर से उसी तरह का साउंड आएगा।

डीजल वेरिएंट की कीमत में हुआ 50 हजार रुपये तक का इजाफा

Mahindra Thar RWD LX

Mahindra Thar RWD LX कंपनी ने अब LX डीजल मैनुअल वेरिएंट की कीमतों में 50000 रुपये की बढ़ोतरी की है। इस वेरिएंट की कीमत अब 11.49 लाख रुपये हो गई है।बेस डीजल AX(O) और LX पेट्रोल AT की कीमत समान है।

नई दिल्ली। Mahindra ने जनवरी 2023 में थार एसयूवी के रियर-व्हील-ड्राइव वेरिएंट को हाल के दिनों में लॉन्च किया था। इस मॉडल को 3 वेरिएंट - AX डीजल, LX डीजल और LX पेट्रोल में लॉन्च किया गया था। जिसकी कीमत 9.99 लाख रुपये के बीच थी। लेकिन ये कीमत सिर्फ पहले 10 हजार ग्राहकों के लिए लागू थी। अगर आप इस थार को खरीदने की प्लैनिंग कर रहे हैं तो अब आपको अपना बजट बढ़ाना होगा। क्योंकि वाहन निर्माता कंपनी ने इस कार की कीमत को बढ़ा दिया है।

Mahindra Thar RWD LX

आपको बता दें वाहन निर्माता कंपनी ने अब LX डीजल मैनुअल वेरिएंट की कीमतों में 50,000 रुपये की बढ़ोतरी की है। इस वेरिएंट की कीमत अब 11.49 लाख रुपये हो गई है। आपकी जानकारी के लिए बता दें इसे मूल रूप से 10.99 लाख रुपये की कीमत पर लॉन्च किया गया था। वहीं बेस डीजल AX(O) और LX पेट्रोल AT की कीमत समान है। यह मॉडल केवल हार्ड टॉप कॉनफ़िगरेशन में उपलब्ध है।

नई और पुरानी कीमत

वेरिएंट	पुरानी कीमत	नई कीमत
AX (O) Diesel	9.99 लाख	9.99 लाख
LX Diesel	10.99 लाख	11.49 लाख
LX Petrol AT	13.49 लाख	13.49 लाख

Mahindra Thar RWD कलर ऑप्शन

आपको बता दें Mahindra Thar RWD वर्जन दो कलर ऑप्शन - एवरेस्ट व्हाइट और ब्लेज़िंग ब्रॉन्ज में आती है। 4×4 वेरिएंट की तुलना में थार आरडब्ल्यूडी की कीमत लगभग 4 लाख रुपये कम है।

Mahindra Thar RWD इंजन

Mahindra Thar RWD वेरिएंट 4X4 वेरिएंट में 2.2L इंजन के बजाय 1.5-लीटर टर्बो डीजल इंजन द्वारा संचालित है। वहीं कम क्षमता वाला डीजल इंजन थार आरडब्यूडी को उप-4 मीटर वाहनों पर जीएसटी का लाभ भी मिलता है। इसे 6 स्पीड के मैनुअल गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है, ये 1500cc डीजल यूनिट 117bhp की पावर और 300Nm का टार्क जनरेट करता है। टर्बो पेट्रोल RWD वेरिएंट केवल 6 -स्पीड टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक गियरबॉक्स के साथ आती है। इसमें 2.0L टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल इंजन 150PS और 320Nm का टार्क जनरेट करने में सक्षम है। फीचर्स के मामले में, थार आरडब्ल्यूडी को संचालित ओआरवीएम, एक टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट यूनिट, क्रूज़ कंट्रोल, इलेक्ट्रॉनिक स्थिरता कार्यक्रम, सभी इलाकों के टायरों के साथ 18 इंच के मिश्र धातु के पहिये भी मिलते हैं।

डेली के काम झटपट निपटाने हीरो ने लॉन्च की 2 नई इलेक्ट्रिक साइकिल

नई दिल्ली. भारतीय बाजार के इलेक्ट्रिक साइकिल सेगमेंट की सबसे बड़ी कंपनी हीरो लेक्ट्रो (Hero Lectro) ने दो नई ई-साइकिल लॉन्च की हैं। इन साइकिल के नॉडल H3 और H5 हैं। दोनों ई-साइकिल GEMTEC पावर्ड हैं। H3 की कीमत 27,499 और H5 की कीमत 28,499 रुपए है। H3 को दो कलर ऑप्शन ब्लिसफुल ब्लैक-ग्रीन और ब्लेजिंग ब्लैक-रेड में खरीद पाएंगे। वहीं, H5 को ग्रूवी ग्रीन और ग्लोरियस ग्रे कलर में खरीद सकते हैं। दोनों साइकिल की सिंगल चार्ज पर रेंज 30km तक है। हीरो लेक्ट्रो की इन न्यू इलेक्ट्रिक साइकिलों को मजबूती देने के साथ हल्का रखने के लिए GEMTEC मैटिरियल का इस्तेमाल किया गया है। इसमें एक नई राइड ज्योमेट्री और स्मार्ट फिट एर्गोनॉमिक्स मिलता है, जिसे हीरो साइकिल्स के R&D सेंटर में डिजाइन और डेवलप किया गया है। इन GEMTEC ई-साइकिलों को कंपनी की D2C वेबसाइट के साथ-साथ हीरो लेक्ट्रो के 600 से ज्यादा डीलरों के नेटवर्क, ई-कॉमर्स चैनलों से खरीद सकते हैं।

कन्वर्टिबल रूप में आ रही मिनी कूपर की यह कार, सिर्फ 999 यूनिट्स की होगी बिक्री

Mini Cooper SE Convertible Car मिनी कूपर SE की लिमिटेड एडिशन कार जल्द देखने को मिल सकती है। इसे सिर्फ 999 यूनिट्स के साथ लाया जा रहा है। वहीं लुक और डिजाइन के मामले में कई नए अपडेटेड देखने को मिल सकते हैं।

नई दिल्ली। मिनी कूपर SE की नई कन्वर्टिबल कार जल्द आ रही है। यह अब तक का पहला ड्रॉप-टॉप ईवी है और इसे एक लिमिटेड एडिशन कार के रूप में लाया गया है। इसकी केवल 999 यूनिट्स लाई जा रही है। एसई कन्वर्टिबल को मुख्य रूप से यूरोपीय बाजार में पेश किया जाएगा। तो चलिए इसके फीचर्स के बारे में जानते हैं।

शानदार होगा लुक

डिजाइन के रूप में मिनी कूपर SE कन्वर्टिबल कार को नप्पा लेदर और पियानो ब्लैक फिनिश के साथ लाया जा रहा है। फोल्डिंग फैब्रिक रूफ इसे अलग बनाता है। बेस मॉडल से अलग दिखने के लिए इसके फेंडर पर बैजिंग भी मिलती है। कन्वर्टिबल में दरवाज़े के हैंडल और हेडलैम्प और टेललाइट के चारों ओर कॉपर टच मिलते हैं और कन्वर्टिबल में दरवाज़े के हैंडल और हेडलैम्प और टेललाइट के चारों ओर मिलते हैं।

पहले की तरह होगा बैटरी पैक

मिनी कूपर SE कन्वर्टिबल कार में दिए जाने वाले पत्तेरी पैक को पहले की तरह रखा गया है। इसमें 32.6 kWh का लिथियम आयन बैटरी पैक दिया गया है जो 184bhp की पावर और 270Nm का पीक टॉर्क जनरेट करता है। रेंज की बात करें तो एक बार चार्ज करने पर यह 235 से 270 किमी की रेंज देती है और 0 से 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार महज 7.3 सेकेंड में पकड़ सकती है। चार्जिंग विकल्पों में 11kW का AC चार्जर भी मिलता है जो 2.5 घंटे में बैटरी को 80 प्रतिशत तक चार्ज कर सकता है।

Mini Cooper SE की कीमत

कूपर SE के बेस मॉडल की कीमत की बात करें तो मिनी कूपर SE को 50.90 लाख रुपये मे खरीद सकते हैं। वहीं, इसके कन्वर्टिबल कार की कीमत ज्यादा होने की उम्मीद है। फिलहाल इसके लॉन्चिंग का इंतजार किया जा रहा है और यह तीन दरवाजों वाले ऑल इलेक्ट्रिक मॉडल के रूप में आने वाली है।

Toyota Hyryder CNG के दमदार फीचर्स बना रहे हैं लोगों को फैन! जल्द शुरू हो सकती है कार की डिलीवरी

टोयोटा सीएनजी-पावर्ड हाईराइडर को दो वेरिएंट्स - एस और जी में पेश किया है। इसमें सबसे खास बात ये है कि ये कार फैक्ट्री-फिटेड सीएनजी किट के साथ आती है। इसे कंपनी ने दो वेरिएंट एस और जी में पेश किया है।

नई दिल्ली । Toyota Kirloskar Motor ने हाल के दिनों में भारत में अपनी पहली सीएनजी संचालित एसयूवी है। Toyota Urban Cruiser Hyryder CNG को 13.23 लाख रुपये की शुरुआती कीमत पर लॉन्च किया गया है। वहीं अब ये कार डीलरशिप पर पहुंचना भी शुरू हो चुकी है। इसके कारण ये संभावना लगाया जा रहा है कि कंपनी इस कार की डिलीवरी भी जल्द ही शुरु कर सकती है। अगर आप इस कार को खरीदना चाहते हैं तो मात्र 25 हजार रुपये की टोकन राशि देकर इस कार को बुक कर सकते हैं।

Toyota Urban Cruiser Hyryder CNG इंजन

इसमें सबसे खास बात ये है कि ये कार फैक्ट्री-फिटेड सीएनजी किट के साथ आती है। इसे कंपनी दो वेरिएंट में एस और जी में पेश करेगी। टोयोटा अर्बन क्रूजर हाई राइडर ई-सीएनजी को पावर देने वाला 1.5-लीटर के-सीरीज डुअल-जेट, डुअल वीवीटी बाई-फ्यूल पेट्रोल इंजन है जो सीएनजी मोड में 86.6 बीएचपी और 121.5 एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करता है। यह 5 स्पीड के मैनुअल गियरबॉक्स के साथ आता है। यह 26.6 किमी प्रति किलोग्राम का माइलेज देता है।

Toyota Urban Cruiser Hyryder CNG कीमत

टोयोटा सीएनजी-पावर्ड हाईराइडर को दो वेरिएंट्स - एस और जी में पेश किया है। जिसकी कीमत 13.23 लाख रुपये से लेकर 15.29 लाख रुपये तक है। भारतीय बाजार में इस कार की टक्कर मारुति सुजुकी ग्रैंड विटारा एस-सीएनजी से है।

Urban Cruiser Hyryder

अगर आप टोयोटा अर्बन क्रूजर हाई राइडर को खरीदना चाहते हैं तो इसके लिए आपको लंबे समय तक का इंतजार करना पड़ेगा क्योंकि इस कार का वेटिंग पीरियड 20-24 सप्ताह का है।

ईवी और ईंधन से चलने वाली गाड़ियों में कौन बेहतर? यहां दूर होगा आपका कन्फ्यूजन

अगर आप अपने लिए नए साल पर एक कार खरीदने की सोच रहे हैं पर ईवी और पेट्रोल कार लेने में कंफ्यूज हैं तो आज आप इन सवालों का जवाब हम लेकर आए हैं। चलिए समझते हैं इन आसान प्वाइंट्स में।

नई दिल्ली। इस समय ईवी को लेकर बहुत सारे लोगों के मन में कन्फ्यूजन है। नई गाड़ी खरीदने से पहले लोग समझ नहीं पा रहे हैं कि ईवी खरीदें या फिर ईंधन से चलने वाली कारें। इसलिए, इस खबर के माध्यम से आपको बताने जा रहे हैं इन दोनों ऑप्शन के खासियतों के बारे में, ताकि आपको अपनी ड्रीम कार खरीदने में आसानी हो और फायदा भी।

इलेक्ट्रिक कार

भारतीय बाजार में इस समय ईवी का चलन काफी तेजी से बढ़ते जा रहा है। इसके लिए सरकार भी काफी तेजी से काम कर रही है और लोगों को इसके प्रति जागरूक भी कर रही है।लेकिन इस समय मार्केट में इलेक्ट्रिक वाहनों की कीमत काफी अधिक है जिसे मीडिल क्लास के लोग खरीदने में सोचते हैं। हालाकिं भारतीय बाजार में मौजूद कई बड़ी कंपनियां इस पर काम कर रही है ताकि हर कोई ईवी को खरीद सके और कई कंपनियों ने लोगों के बजट के हिसाब से भी कार निकाली है।

पेट्रोल - डीजल

लेकिन आज भी पेट्रोल डीजल की गाड़ियों का दबदबा बरकरार है। लोग इलेक्ट्रिक कारों को चार्जिंग के कारण भी नहीं खरीदते हैं क्योंकि चार्जिंग एक सबसे बड़ी समस्या है। ईवी को भविष्य माना जाता है, इसके लिए सरकार भी कई जगहों नए -नए चार्जिंग स्टेशनों को लगाने का काम भी कर रही है। इस साल हमने भारतीय बाजार में कई बड़ी इलेक्ट्रिक कारों की लॉन्चिंग देखी । जिसमें कई बड़ी कंपनियां शामिल है।

भारत में आज भी पेट्रोल डीजल की गाड़ियों को ईवी से अधिक पसंद किया जाता है। भले ही इसकी कीमत बढ़ रही है लेकिन फिर भी लोगों में इसका क्रेज बरकरार है। आम धारणा है कि अगर सस्ती कार, कम मेंटेनेंस और कम रनिंग है तो पेट्रोल कार बेस्ट ऑप्शन होती है।

संपादकीय

विकास के मुहाने पर एयरपोर्ट

विकास जनता के लिए और जनता विकास के लिए किस मानसिक धरातल पर विकसित हो रही है, इसकी पड़ताल केवल सामाजिक नहीं, राजनीतिक व आर्थिक तौर पर भी कहीं ज्यादा प्रभाव रखती है। विकास अब मात्रात्मक विषयों की खूंटी तोडक़र भविष्य को रेखांकित कर रहा है, तो संवेदना के कसाईघर तय करेंगे कि विकास के धरातल पर विविध विषयों का सामंजस्य कैसे सुरक्षित रहेगा। इसी तासीर की परख फोरलेन व अन्य सडक़ परियोजनाओं के साथ-साथ अब कनेक्टिविटी की सबसे बड़ी परियोजना यानी कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार की रूपरेखा में हाजिर है। सोशल इंपेक्ट रिस्पांसबिलिटी के मुहाने पर खड़ा कांगड़ा हवाई अड्डे का विस्तार आने वाली सदियों से इस क्षेत्र की मुलाकात है तथा नई संभावनाओं के अक्स में, नए क्षितिज को छूने का शीर्षासन भी है।

विस्थापन के मानवीय पक्ष और विकास के वास्तविक अर्थ को धरातल पर उकेरने के लिए सिर्फ हाथ नहीं, सहभागिता का जज्बा तैयार करना पड़ता है और इन्हीं कसरतों में यह दौर प्रदेश की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक व राजनीतिक परीक्षा ले रहा है। एक दौर वो भी था जब इसी क्षेत्र के ताज बदलते फरमानों में जमीन पर अधिकार की सदियां बदली थीं। लैंड सीलिंग एक्ट के मार्फत मुजारों की शक्ति में बंटी धरती अगर सामाजिक उत्थान था, तो प्रदेश की आर्थिक तरक्की में जमीन की नई पैमाइश के तर्क भी कुछ तो हिसाब रखते हैं। सवाल घर से घर तक गिनें तो कांगड़ा जिला की अदालतों में सबसे अधिक मामले जमीनों के आपसी बंटवारे के ही होंगे। जमीन पर अपराध की प्रवृत्ति या बिक्री के मसौदे न होते, तो मुजारा कानून के तहत बंटी जमीनें इतना अनाज पैदा कर देतीं कि रिटेल स्टोरों में बाहरी राज्यों से आयातित अनाज, दालें, दूध या ब्रेड न बिकते। आश्चर्य यह कि जिस राज्य में तूड़ी भी आयात होती हो या जहां सरकारी राशन की वजह से खेत का सूखा फायदेमंद है, वहां राजनीतिक लोरियां केवल जनमानस के कर्म क्षेत्र में सुला रही हैं। खैर यहां मसला उन औपचारिकताओं का है जो सदी के सबसे अहम व निर्णायक मोड़ पर यह तय कर रही हैं कि प्रदेश को आगे बढ़ाने के लिए परिपाटी के हर सुर्ख पन्ने पर नए अक्षर कैसे लिखे जाएं। यहां विस्थापन के बदले पुनर्वास की आशा को यथार्थ का संबल कैसे मिले या अब तक के रोजगार व व्यापार में भविष्य के रोजगार के साथ कैसे तालमेल पैदा किया जाए। जाहिर है यह एक नए घर का प्रश्न भी नहीं है, लेकिन आर्थिक करवटों की मांग पर होती कुर्बानियों को अंगीकार करते हुए, नए सवेरे के आगाज को पुनर्वास की किरणें चाहिएं। कांगड़ा एयरपोर्ट की वजह से हुआ उत्थान अब अपनी नई पारी में एक विस्तृत आधार की तरफ अग्रसर हो रहा है, तो सामाजिक संरचना के ताजा फलक पर राज्य की जवाबदेही की नींव ढूंढी जाएगी। यानी कनेक्टिविटी और अधोसंरचना निर्माण की वजह से विस्थापित हो रहे समाज को केवल आसरा नहीं, मुकम्मल संदेश व स्पर्श चाहिए और इसके लिए नए पुनर्वास परिसर, उपग्रह नगर या निवेश केंद्र विकसित करने होंगे।

हिमाचल सरकार तमाम सडक़ खास तौर पर फोरलेन परियोजनाओं के साथ पुनर्वास की परिभाषा में नए निवेश या उपग्रह नगर चिन्हित करे। इसी तरह एयरपोर्ट के दायरे में विस्थापित हो रही आबादी व कारोबार को मुकम्मल आश्रय स्थल का विकल्प जीत कर मौजूदा सरकार आगामी विकास की शर्तों में जनता के प्रति अपनी सामाजिक जवाबदेही का परिचय दे पाएगी। कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार के माध्यम से हिमाचल की आर्थिकी का नक्शा भले ही इस समय कठिन परीक्षा में उतर रहा है, लेकिन इसके यथार्थ में सुखद भविष्य की ऐसी संभावना परिलक्षित हो रही है जो आगे चलकर रोजगार के विविध आयाम तथा राष्ट्रहित के पैगाम बनकर सामने लाएगी। विडंबना यह भी है कि अपने-अपने राजनीतिक कारणों या स्वार्थी ग्रंथियों के कारण कई बार राष्ट्रीय संकल्प पूरे नहीं होते। जिस प्रदेश में रोजगार के साधन न के बराबर हो या जहां से निकल कर युवाओं को देश-विदेश की खाक छाननी पड़ती हो, वहां विकास का ऐसा मॉडल चुनना ही पड़ेगा जो आधुनिक रोजगार का प्रमुख आधार बने। गगल एयरपोर्ट विस्तार नए रोजगार की क्षमता का विस्तार भी है और राज्य की उपलब्धियों का आकार भी। बस चंद कदम चलने के लिए, कठिन मार्ग को चुनने की सहमति और सद्भावना चाहिए।

'बेरोजगारी के दौर में युवा शक्ति कौशल और शिक्षा'

डॉ सत्यवान सौरभ

कौशल विकास न केवल आजीविका का साधन है बल्कि सामान्य दिनचर्या में स्वयं के जीवंत और ऊर्जावान महसूस करने का एक विशेष माध्यम भी है। अतः युवा शक्ति को शिक्षा, कौशल विकास और प्रशिक्षण द्वारा बेहतर मानव संसाधन के रूप में विकसित करने से न केवल गरीबी, बेरोजगारी और सामाजिक बुराईयां इत्यादि का समाधान मिल सकता है अपितु वे राष्ट्र के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते है।

युवाओं को सशक्त बनाने की कुंजी, कौशल विकास के साथ है, जब एक युवा के पास आवश्यक कौशल होता है तो वह उसका उपयोग अपनी आजीविका व दूसरों की सहायता करने के लिए कर सकता है। वह आर्थिक रूप से राष्ट्र का भी समर्थन करता है। कौशल विकास न केवल आजीविका का साधन है बल्कि सामान्य दिनचर्या में स्वयं के जीवंत और ऊर्जावान महसूस करने का एक विशेष माध्यम भी है। अतः युवा शक्ति को शिक्षा, कौशल विकास और प्रशिक्षण द्वारा बेहतर मानव संसाधन के रूप में विकसित करने से न केवल गरीबी, बेरोजगारी और सामाजिक बुराईयां इत्यादि का समाधान मिल सकता है अपितु वे राष्ट्र के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते है।

युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिये देश की व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रणाली को सशक्त बनाना होगा। कोरोना ने देशवासियों को ऐसे स्थान पर लाकर खड़ा कर दिया है जहां पर अनेक लोगों को कौशल की आवश्यकता है । इस समय हर वर्ग के व्यक्ति को एक सभ्य आजीविका की जरूरत है। कौशल एवं व्यवसायिक शिक्षा की जरूरत केवल वंचित समुदायों के लोगों को ही नहीं बल्कि उन लोगों को भी जरूरत है जो औपचारिक शिक्षा भी प्राप्त नहीं कर पायें। भारत दुनिया में सबसे बड़ी आबादी वाला युवा देश है और यह युवा शक्ति न्यू इंडिया का आधारस्तंभ है। लिहाजा केंद्र सरकार की नीतियों में बजट में, योजनाओं में। युवाओं को लेकर भविष्य के विकास का विजन दिखाई देता है। जैसा कि अमृत काल के बजट में युवाओं और उनके भविष्य को सबसे ज्यादा महत्व दिया गया है। टेक्नोलॉजी, स्टार्टअप से कैसे युवाओं की तकदीर बदल रही है। सुधारों के साथ शिक्षा क्षेत्र की कैसे तस्वीर बदल रही है। युवाओं के दम पर दुनिया के सामने कैसे मजबूती से खड़ा हो रहा है भारत।

युवा किसी भी देश का भविष्य है, आज, भारत विश्व की सबसे बड़ी शक्ति के रूप में उभर रहा है। यहाँ प्रत्येक तीसरा व्यक्ति युवा है ऐसे में हमें, इस युवा ऊर्जा का प्रयोग सही दिशा में करने के लिए साधन सोचने होगें। युवाओं के लिए शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार और स्वरोजगार के अवसर पैदा करने वाली नीतियां और कार्यक्रम मौजूदा वक्त की सबसे बडी आवश्यकता है। युवाओं को सशक्त बनाने की कुंजी, कौशल विकास के साथ है, जब एक युवा के पास आवश्यक कौशल होता है तो वह उसका उपयोग अपनी आजीविका व दूसरों की सहायता करने के लिए कर सकता है। वह आर्थिक रूप से राष्ट्र का भी समर्थन करता है। युवाओं को शिक्षा के साथ कौशल विकास और उद्यमशीलता से जोड़ना जरूरी है। साथ ही उन्हें स्कूली शिक्षा के साथ व्यावसायिक शिक्षा भी अति आवश्यक है। कोरोना माहमारी के समय अनेक लोगों को अपने रोजगार, व्यवसाय और

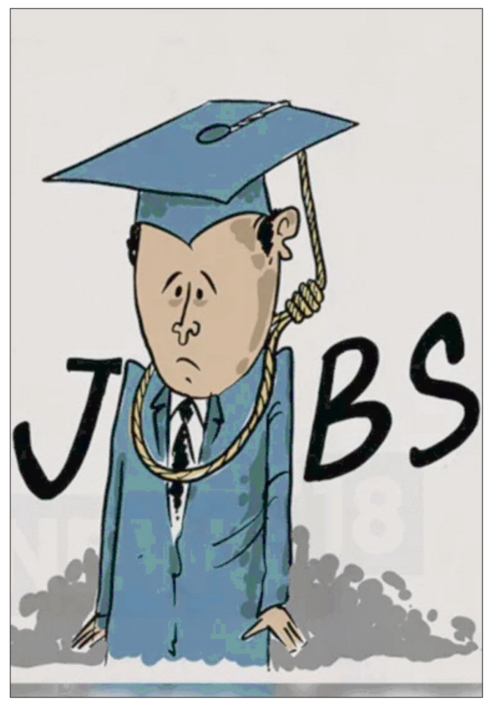

नौकरी से हाथ धोना पड़ा इसलिये जरूरी है कि हमारे देश के सभी बच्चों को कौशल विकास की शिक्षा प्रदान की जाये ताकि उनमें उद्यमशीलता का गुण विकसित हो।

कौशल विकास न केवल आजीविका का साधन है बल्कि सामान्य दिनचर्या में स्वयं के जीवंत और ऊर्जावान महसूस करने का एक विशेष माध्यम भी है। अतः युवा शक्ति को शिक्षा, कौशल विकास और प्रशिक्षण द्वारा बेहतर मानव संसाधन के रूप में विकसित करने से न केवल गरीबी, बेरोजगारी और सामाजिक बुराईयो इत्यादि का समाधान मिल सकता है अपितु वे राष्ट्र के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते है। आज यह आवश्यक हो गया है, कि युवाओं की ऊर्जा को उध्वगायी बनाया जाये, शिक्षा को रोजगारोन्मुखी बनाया जाये, युवाओं में कौशल और तकनीकी क्षमता विकसित की जाए, जिससे भारत उभरती अर्थव्यवस्था की मुख्य चुनौतियों से निपटने में सफल हो सके। वोकेशनल ट्रेनिंग के माध्यम से युवाओं को आज के अनुकूल कौशल का निर्माण करने वाला प्रशिक्षण देना होगा तभी कौशल विकास सफल हो सकता है। कौशल विकास एक बड़ी नैतिकता और जवाबदेही का कार्य है जिसके माध्यम से युवाओं को उद्यमशील बनाया जा सकता है। स्किल्ड युवा निश्चित रूप से कौशल युक्त भारत का निर्माण कर सकता है। कोरोना के समय में भारत में बेरोजगारी एक बड़ी समस्या बनकर उभरी है। इस समस्या को काफी हद तक कौशल विकास को विकसित कर कम किया जा सकता है, भारत में कौशल विकास तथा बेरोजगारी की समस्या के मूल में स्कूली स्तर पर व्यावसायिक शिक्षा की अनुपस्थिति है इसलिये स्कूली स्तर पर व्यावसायिक शिक्षा को शामिल करना बहुत जरूरी है।

युवाओं को सशक्त बनाने की कुंजी, कौशल विकास के साथ है, जब एक युवा के पास आवश्यक कौशल होता है तो वह उसका उपयोग अपनी आजीविका व दूसरों की सहायता करने के लिए कर सकता है। वह आर्थिक रूप से राष्ट्र का भी समर्थन करता है। कौशल विकास न केवल आजीविका का साधन है बल्कि सामान्य दिनचर्या में स्वयं के जीवंत और ऊर्जावान महसूस करने का एक विशेष माध्यम भी है। अतः युवा शक्ति को शिक्षा, कौशल विकास और प्रशिक्षण द्वारा बेहतर मानव संसाधन के रूप में विकसित करने से न केवल गरीबी, बेरोजगारी और सामाजिक बुराईयां इत्यादि का समाधान मिल सकता है अपितु वे राष्ट्र के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते है। वर्ष 2014 की एक सरकारी रिपोर्ट के अनुसार, भारत को भली भांति प्रशिक्षित कुशल श्रमिकों की भारी कमी का भी सामना करना पडा है तालिका 1.0 के माध्यम से यह समझा जा सकता है कि यद्यपि भारत युवाओं का देश है परन्तु कुल कार्यबल में से केवल 2.3 प्रतिशत ही औपचारिक रूप से प्रशिक्षित है। जबकि अन्य विकसित देशों में प्रतिशत काफी अधिक है।

भारत में कौशल विकास में आने वाली सबसे बड़ी समस्या यह है कि यहां लगभग 93 प्रतिशत लोग अकुशल है। यहाँ प्रतिवर्ष लगभग 26.14 मिलियन अकुशल लोग रोजगार के लिए 15-45 उम्र समूह में सम्मिलित हो रहे है। अतः 7 वर्ष में लगभग 104.62 मिलियन अकुशल तथा पहले से कृषि एवं गैर कृषि में लगे हुए 298 मिलियन लोगो को 2022 तक कौशल युक्त करना एक बडी चुनौती है। इसके अतिरिक्त ऐसे बेरोजगार लोगो को शिक्षित करना जिन्होनें अपनी स्कूली शिक्षा प्राप्त नही की है या बीच में छोड़ दी है, भी एक बडी समस्या है। महिलाओं की घटती भागीदारी भी एक गंम्भीर समस्या है। 2011 की जनगणना के आँकडों के अनुसार महिलाओं की ग्रामीण क्षेत्रों में रोगजार में भागीदारी 33.3 प्रतिशत से घटकर 26.5 प्रतिशत तथा शहरी क्षेत्रों में भागीदारी 17.8 प्रतिशत से घटकर 15.5 प्रतिशत रह गई है। इसके अलावा सूक्ष्म, लघु एवं औद्योगिक सेक्टरों में भी अकुशल कार्यबल आर्थिक विकास के लिए बाधक बन रहा है जिसके परिणाम स्वरूप उत्पादकता प्रभावित हो रही है तथा बडी संख्या में बेरोजगारी की दर बढ़ती जा रही है। अतः युवाओं के लिए रोजगार उपलब्ध कराना भी एक बहुत बडी चुनौती है। इस दृष्टिकोण से हमें उद्यमिता विकास पर भी ध्यान देने की जरूरत है। उद्यमिता में भारत की स्थिति 143 देशों में 76वें स्थान पर है। भारत में प्रति 1000 वर्किंग लोगों पर 0.09 कम्पनी रजिस्टर्ड है, जो कि जी-20 देशों में सबसे कम है।

11 मार्च : इतिहास की अहम घटनाएं

2008 पाकिस्तान के लाहौर में दो आत्मघाती विस्फोटों में 26 लोग मारे गये।

2009 एक किशोर बंदूकधारी जर्मनी के विन्नेंदेन में एक माध्यमिक क्षेत्र में शूटिंग की होड़ में लगा हुआ था, जिसमें सोलह लोगों की मौत हो गई, जिसमें वह भी शामिल था।

2011 जापान में भूकंप और सुनामी से हजारों लोग मारे गए और फुकुशिमा परमाणु संयंत्र हादसा हुआ।

2011 भूकंप के बाद, जापान के फुकुशिमा I न्यूक्लियर प्लांट को विकिरण रिसाव का सामना करना पड़ा था, जिसमें आसपास के हजारों निवासियों को निकाला गया था।

2011 जापान के उत्तरपूर्वी तट (सुनामी की क्षति चित्रांकित) में बड़े पैमाने पर भूकंप आया और फुकुशिमा I परमाणु ऊर्जा संयंत्र में एक परमाणु आपदा शुरू हो गई।

2012 आग की वजह से कोसमा होर्का को भारी नुकसान पहुंचा है। यह एक ऐतिहासिक स्लोवाकियन महल है।

2013 यह धमकी दे रहा था कि चीन में हुआंगपु नदी में 900 सूअरों के सड़ने के कारण शंघाई की पेय आपूर्ति दूषित हो सकती है। सरकार ने कहा कि शहर में गुणवत्ता सामान्य के रूप में परीक्षण किया।

2014 माइग्रेन के सिरदर्द के उपचार के लिए, यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन एक इलेक्ट्रिक तंत्रिका उत्तेजक उपकरण को मंजूरी देता है।

नगालैंड से सारी दुनिया सीखे

नगालैंड, त्रिपुरा और मेघालय में भाजपा का डंका बज गया, यह देश ने जमकर देखा लेकिन वहां जो असली विलक्षण घटना हुई है, उसकी तरफ लोगों का ध्यान बहुत कम गया है। वह विलक्षण घटना यह है कि जिन पार्टियों ने चुनाव में एक-दूसरे का डटकर विरोध किया, उन्होंने भी मिलजुल कर अब नई सरकार बनाई है। इतना ही नहीं, वे छोटी-मोटी पार्टियां, जो राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा आदि का विरोध करती रही हैं, उन्होंने भी नगालैंड में ऐसी सरकार बनाई है, जैसी दुनिया के किसी भी लोकतांत्रिक देश में भी नहीं है। नगालैंड की ताजा सरकार 'नेशनलिस्टिक डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी' के नेतृत्व में बनी है। उसके नेता नेफ्यू रियो मुख्यमंत्री हैं। उनकी 60 सदस्योंवाली विधानसभा में एक भी सदस्य ऐसा नहीं है, जो कहे कि मैं विपक्ष में हूं या मैं विरोधी दल हूं। तो क्या हम यह मान लें कि रियो ने साठों की साठ सीटें जीत लीं? नहीं, ऐसा नहीं हुआ है। उनकी पार्टी और भाजपा को सबसे ज्यादा सीटें मिली हैं लेकिन उनकी संख्या कुल 37 हैं। 60 में से 37 याने आधी से सिर्फ 7 ज्यादा! फिर भी क्या बात है कि नगालैंड में कोई विरोधी दल नहीं है? जिन आठ दलों ने विरोधी बनकर चुनाव लड़ा था, उनमें 4 पार्टियां नगालैंड के बाहर की थीं। सभी आठों पार्टियों के जीते हुए विधायकों ने कहा है कि हम सत्तारुढ़ गठबंधन के साथ है। अभी तक यह निश्चित नहीं है कि इन विरोधी पार्टियों के विधायकों में से कुछ को मंत्री बनाया जाएगा या नहीं। शरद पवार की नेशनल कांग्रेस पार्टी को 7 सीटें मिली हैं। वह तीसरी सबसे बड़ी पार्टी है। उसे दुविधा है, भाजपा से हाथ मिलाने में! इसीलिए वह सरकार को बाहर से ही समर्थन देगी। जो भी हो, नगालैंड में जो सरकार बनेगी और चलेगी, मेरी राय में वह दुनिया के सभी लोकतंत्रों के लिए आदर्श है। दुनिया की संसदों में पक्ष और विपक्ष की पार्टियां जो फिजूल का दंगल करती हैं और अपना तथा देश का समय नष्ट करती रहती हैं, उससे भारत, एशिया, अफ्रीका, अमेरिका और यूरोप के लोकतांत्रिक देशों को छुटकारा मिलेगा। जो भी सरकार सर्वसम्मति से बने, उसमें दलीय संख्या के अनुपात में मंत्री बना दिए जा सकते हैं। मंत्रिमंडल के सभी फैसले बहुमत के आधार पर होंगे। नगालैंड से भारत और दुनिया के सभी राजनीतिक दल प्रेरणा लेकर अपने-अपने देश में वैसी ही सरकारें बना सकते हैं, जैसी आजादी के बाद 1947 में भारत में जवाहरलाल नेहरु के नेतृत्व में बनी थी। उस नेहरु सरकार में घनघोर गांधीविरोधी भीमराव आंबेडकर और जनसंघ के जनक श्यामाप्रसाद मुखर्जी भी मंत्री थे। उसके 14 मंत्रियों में हिंदू, मुसलमान, सिख, ईसाई, पारसी, दक्षिण भारतीय, दलित, महिला आदि सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व था। वह सचमुच की राष्ट्रीय सरकार थी। आजकल की पार्टी-आधारित सरकारों में भी इन वर्गों का प्रतिनिधित्व रहता है लेकिन उन सब पर सेंत-मेंत प्रहार करने के लिए हम एक विपक्ष भी फिजूल में खड़ा कर लेते हैं।

डॉ. वेदप्रताप वैदिक
dr.vaidik@gmail.com

समसामयिक

राहुल गांधी द्वारा 'कपड़े' बदलना...!

कपड़े बदलना भी रंग बदलने जैसा ही है! कपड़ों से आदमी की पहचान होती रही है। कपड़े-धर्म, संस्कृति एवं सभ्यताओं की पहचान रहे हैं। समयकाल का भी पता लगता है। व्यक्ति विशेष के व्यक्तित्व का अंदाज़ लगाया जा सकता है। रोटी, कपड़ा और मकान तो आज़ादी के बाद कई दसकों तक भारतीय राजनीति एवं समाजिक सरोकारों के महत्वपूर्ण मुद्दे रहे हैं। यह बात अलग है कि वर्तमान में 'कपड़े' सांप्रदायिक राजनीति के कारगर 'टूल्स' बनते नज़र आ रहे हैं। सभ्य समाज में समुचित कपड़े पहनना आवश्यक है।मतलब जैसा- देश, वैसा- भेष! परन्तु राहुल गांधी जहाँ थे वहाँ हर तरह की स्वतंत्रता होने के बावजूद शासकीय कार्यस्थलों पर तय प्रोटोकॉल अपनाना आवश्यक है। जबकि हिंदुस्तान बहुरंगी परंपरावादी है।सब चलता है। अनेकता में एकता ! वहाँ सार्वजनिक स्थलों पर बिना कपड़ों के दिखना क़ानूनी अपराध है और यहाँ जनजातियों एवं गरीबी तथा दरिद्रता के बीच जी रहे लोगों का अर्धनग्न दिखना सामान्य बात है। साधु-संतों का एक वर्ग तो आज भी निर्वस्त्र रहना अध्यात्म का एक अंग मानता है। कपड़े तथाकथित सभ्य समाज की कलुषित मानसिकता से बचने के आवरण भी होते हैं। एक समय पश्चिम में रंगभेदी सामंती प्रवृत्ति हुआ करती थी, आज भी वह मानसिकता देखी जा सकती है।

राहुल गांधी कुछ माह पूर्व 'भारत जोड़ों' का नारा लेकर पदयात्रा पर थे। उस समय उनकी 'टी-शर्ट' को लेकर विवाद खड़ा किया गया...। परन्तु उन्होंने पूरी यात्रा के दौरान ठंड, गर्मी, बरसात में टी-शर्ट पहने ही यात्रा करके विरोधियों को उचित जवाब दिया। उन्होंने अपनी यात्रा को तपस्या और यात्रियों को तपस्वी कह कर अपने आपको वैसा ही परिभाषित करने का प्रयास किया। देश की सहज सरल आस्थावान धार्मिक जनता पर उसका बहुत सकारात्मक प्रभाव पड़ा।यहाँ तक कि पदयात्रा और उनको महात्मा गांधी से जोड़ने का प्रयास किया गया। उससे ऊर्जा पाकर राहुल गांधी ने कश्मीर की कड़ी सर्दी में भी अपना चोला नहीं बदला। यात्रा के बाद सार्वजनिक जीवन और संसद तक में वे टी-शर्ट में नज़र आये। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें ठंड नहीं लगती? तब उन्होंने बड़े दार्शनिक अंदाज़ में तीन बालकों का किस्सा सुनाया- यात्रा के दौरान तीन बालक ठंड से ठुठरते हुए फटे हाल उनके पास आये...। उन्हें देख कर उनके मन में आया कि -'जब ये बालक और असंख्य किसान मजदूर ऐसी ही स्थिति में गुजर-बसर करते हैं तब मैं क्यों नहीं कर सकता... !' परन्तु जब राहुल गांधी लंदन गये तो उसके विपरीत वे अंग्रेजों की तरह सूट- बूट में थे !जबकि 'सूट-बूट' को लेकर वे अपने विरोधी पर प्रहार करते रहे हैं? माना कि यह सामान्य शिष्टाचार हो... ! परन्तु यह नहीं भूलना चाहिए कि अचानक बहुरूपियों की तरह रंग बदलने पर व्यक्ति की विश्वसनीयता खंडित होती है। राहुल गांधी ने लंदन में अपने आपको जिस प्रकार समुचितरूप से बदला-बदला प्रदर्शित करने का प्रयास किया और भाषणों एवं वार्ताओं में जो कहा उसे लेकर दोनों तरह की प्रतिक्रियाएं आ रही हैं... ! सच क्या है यह पता लगाना वर्तमान विज्ञापनी एवं कलुषित राजनीति के ज़माने में मुश्किल है ! क्या राहुल गांधी ने अपनी 'पप्पू' की बनाई गयी छवि का जवाब देने के लिए ऐसा किया? क्या अपनी शैक्षाणिक एवं सामाजिक योग्यता तथा क्षमता प्रदर्शित करने का प्रयास किया है? या फिर यह सब राजनीति में चली आ रही नाटक-नौटंकी का ही एक अंग था...? यदि यह ऐसा हुआ तो उन्हें अपनी 'तपस्या' पर पानी फिरना मानना चाहिए। महात्मा गांधी को अंग्रेजों ने अर्धनग्न फकीर (भिखारी) कह कर अपमानित करने का प्रयास किया, परन्तु उन्होंने सूफी फकीर की तरह जब एक बार आधी धोती पहन ली तो पहन ली , फिर गोलमेज सम्मेलन में महाराजा के राजमहल के प्रोटोकॉल को पहली बार तोड़ते हुए वे उसी वेशभूषा में अपनी शर्तों पर शामिल हुए। यही नहीं, आज़ादी के बाद उसी चर्चिल के बगल में उनकी मूर्ति बराबर से खड़ी है। काशः राहुल गांधी भी ऐसा ही करते तो पदयात्रा द्वारा भारतीय जनमानस में उनकी जो छवि परिवर्तित हुई थी वह और बढ़ती... ! बल्कि दुनिया के दिलो-दिमाग में भी वे एक सच्चे 'राजनीतिक तपस्वी' का स्थान बनाते...। उन्हें 'पप्पू' ,शहजादा, देश के लिए खतरा बताने वालों को उनकी जगह जनता जवाब देती... !

डॉ. सुरेश गर्ग

स्वास्थ्य की रक्षा प्राथम्य, समय की महत्ता को समझें

संजीव ठाकुर

मानव जीवन में स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन होता है। मनुष्य यदि स्वास्थ्य नहीं रहता तो वह न तो परिवार व समाज में रचनात्मक भूमिका निभा सकता है और ना ही राष्ट्र निर्माण में योगदान दे सकता है। इसी तरह समय को भी धन ही कहा जाता है समय का जो सही सदुपयोग करता है वह उन्नति के शिखर पर होता है। मजबूत राष्ट्र सदैव समय की कीमत समझता है और जो समय की कीमत समझता है समय उसकी कीमत समझता है। समय का सही सदुपयोग न करने वाले अस्वस्थ मनुष्य का जीवन निराश एवं कुंठा ग्रस्त रहता है। इसीलिए स्वास्थ्य को जीवन का अनमोल रत्न माना जाता है या यूं कहें कि स्वास्थ्य ही धन होता है। इसीलिए भारत में 2019 को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर फिट इंडिया अभियान की शुरुआत की गई, जिसके माध्यम से लोगों को खेल और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जाना है जिससे स्वस्थ भारत स्वच्छ भारत और सशक्त भारत का निर्माण हो सके। भारत को एक प्रगतिशील एवं मजबूत राष्ट्र बनाने की आवश्यकता है। इसी संदर्भ में भारत सरकार द्वारा एक महत्वकांक्षी योजना बनाकर इसके माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। इस अभियान को जन आंदोलन के रूप में पूरे भारत में विस्तृत कर पूरे भारतीय जनमानस को स्वास्थ्य के प्रति स्वच्छता के प्रति लगाव पैदा कर पूर्व संपूर्ण भारत को स्वस्थ बनाने का धीरे लेकर आगे बढ़ना होगा। फिट इंडिया मूवमेंट आगामी कई वर्षों तक संचालित रहेगा स्वास्थ्य को लेकर अलग-अलग विषयों पर अभियान चलाया जाएगा शुरुआत शारीरिक फिटनेस से,फिर भोजन की आदतें, तीसरे वर्ष पर्यावरण अनुकूलता और जीवन शैली पर प्रभाव,फिर रोगों तथा बीमारियों को दूर करने के तरीकों के प्रति लोगों को जागरूक किया जाएगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन तथा भारत सरकार की स्वास्थ्य रिपोर्ट के अनुसार 1990 से लेकर 1920 के बीच गैर संक्रामक बीमारियां बढ़ने की दर 55% हो गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार कुपोषण के आंकड़े और भी ज्यादा गंभीर है। भारत सरकार की स्वास्थ्य रिपोर्ट के अनुसार हार्ट फेल, टी बी, अस्थमा डायबिटीज और क्रॉनिक किडनी डिजीज की वजह से देश में सबसे ज्यादा मृत्यु होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार सबसे स्वस्थ्य देशों की सूची में भारत का प्रदर्शन काफी निराशाजनक है। इस रिपोर्ट के अनुसार स्वास्थ्य की सूची में स्पेन पहले नंबर पर है और भारत 120 वें नंबर पर है। भारत के संदर्भ में यह आंकड़े अत्यंत प्रतिकूल हैं,यह दर्शाते हैं कि भारत की आम जनता स्वास्थ तथा फिटनेस के प्रति कितनी गैर जिम्मेदार है। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही के कारण हर साल भारत में हजारों लोग मृत्यु को प्राप्त हो जाते हैं। स्वास्थ्य गत कमी के कारण लोगों की मृत्यु तो होती ही है, साथ में आर्थिक क्षति की बहुत बड़ी होती है। इतनी ज्यादा मृत्यु तथा आर्थिक क्षति से देश की प्रगति तथा विकास में भी बाधा उत्पन्न होती है। भारत में वस्तुतः सभी प्रकार की बीमारी का मूल कारण भारतीय जनमानस की अनियमित जीवन शैली है। लोग अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं देते, व्यायाम करने की जगह आराम करना पसंद करते हैं,जिस कारण भारत में स्वास्थ्य संकट दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है और इसीलिए फिट इंडिया मूवमेंट के संचालन की आवश्यकता बढ़ गई है, जिससे लोगों को उनकी सेहत के प्रति जागरूक किया जाना अत्यंत आवश्यक है। पूरा विश्व स्वास्थ्य के प्रति जागरूक है पड़ोसी देश चीन ने स्वस्थ चाइना मिशन 2030 तक चलाने का एक कार्यक्रम बनाया है। ऑस्ट्रेलिया ने भी वर्ष 2030 तक अपने नागरिकों को आलस भगाने तथा शारीरिक गतिविधियां बढ़ाने का मिशन चलाया है। जर्मनी ने फिट इनडीड ऑफ फैट अभियान चला रखा है। अमेरिका भी एक विशाल देश है जहां 32 करोड़ जनसंख्या है, उसने भी अपने नागरिकों को स्वस्थ तथा फिट रखने का अभियान चलाकर लोगों को फिटनेस ट्रेनिंग मुहैया करा दी है। मूलतः स्वस्थ रहने से अनेक बीमारियां स्वतह दूर चली जाती हैं, एवं बीमारियों में होने वाला खर्च की बचत भी होती है। इसके अलावा स्वस्थ व्यक्ति की कार्य क्षमता अत्यधिक बढ़ जाती है।

न्यूज ब्रीफ

रोहित जावा होंगे एचयूएल के नए एमडी, सीईओ

नयी दिल्ली, (भाषा) दैनिक उपयोग के उत्पाद बनाने वाली प्रमुख एफएमसीजी कंपनी हिंदुस्तान यूनीलिवर लिमिटेड (एचयूएल) के नए प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के तौर पर रोहित जावा को नियुक्त किया गया है। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। जावा फिलहाल यूनीलिवर में 'चीफ ऑफ ट्रांसफॉर्मेशन' हैं। वह 27 जून, 2023 से पांच साल के लिए इस पद पर नियुक्त होंगे। एचयूएल ने शेयर बाजार को बताया, "पूर्णकालिक निदेशक और एमडी व सीईओ के तौर पर जावा की नियुक्ति शेयरधारकों की मंजूरी और अन्य वैधानिक अनुमोदनों के अधीन होगी।" जावा संजीव मेहता का स्थान लेंगे।

बोइंग का जीएमआर एयरो टेक्निक से करार

नयी दिल्ली, (भाषा) विमान विनिर्माता बोइंग और जीएमआर एयरो टेक्निक ने हैदराबाद में एक नई मालवाहक रूपांतरण लाइन स्थापित करने के लिए करार किया है। शुक्रवार को एक बयान में कहा गया है कि जीएमआर एयरो टेक्निक भारत में पहला बोइंग आपूर्तिकर्ता है, जिसके पास घरेलू और विदेशी दोनों विमानों के भविष्य के रूपांतरण का समर्थन करने की क्षमता होगी। बोइंग इंडिया के अध्यक्ष सलिल गुप्ते ने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि आने वाले वक्त में कार्गो बाजार तेजी से बढ़ेगा। उन्होंने कहा, 'जीएमआर एयरो टेक्निक के साथ हमारा सहयोग न केवल आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण का समर्थन करता है, बल्कि इससे कार्गो क्षेत्र को बढ़ावा भी मिलेगा।'

टाटा टेक्नोलॉजीज ने आईपीओ दस्तावेज जमा कराए

नयी दिल्ली, (भाषा) टाटा मोटर्स लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए पूंजी जुटाने के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास शुरुआती कागजात जमा कराए हैं। दस्तावेजों के अनुसार, आईपीओ विशुद्ध रूप से बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित है। आईपीओ में कंपनी अपनी चुकता शेयर पूंजी के लगभग 23.60 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करते हुए 9.57 करोड़ इक्विटी शेयर बेचेगी। ओएफएस के तहत, टाटा टेक्नोलॉजीज की मूल कंपनी टाटा मोटर्स कंपनी में 8.11 करोड़ शेयर या 20 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेगी। चालू वित्त वर्ष 2022-23 के समाप्त नौ महीनों (अप्रैल-दिसंबर) में कंपनी की परिचालन आय 3,011.79 करोड़ रुपये रही। एक साल पहले समान अवधि में यह 2,607.30 करोड़ रुपये रही थी। कंपनी के शेयर बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध होंगे।

अंतरराष्ट्रीय खाद्य प्रदर्शनी में निवेश अवसर दिखेंगे

नयी दिल्ली, (भाषा) केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस ने शुक्रवार को बताया कि राष्ट्रीय राजधानी में तीन से पांच नवंबर तक अंतरराष्ट्रीय खाद्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में भारतीय खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में निवेश के अवसर दिखेंगे। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री पारस ने कहा, "हमने यहां प्रगति मैदान में होने वाले वर्ल्ड फूड इंडिया (डब्ल्यूएफआई) 2023 का उद्घाटन करने के लिए प्रधानमंत्री (नरेन्द्र मोदी) से आग्रह किया है।" पारस ने कहा कि भारत में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में निवेश के कई अवसर हैं। कार्यक्रम में घरेलू और वैश्विक निवेशकों को आमंत्रित किया जाएगा। यह डब्ल्यूएफआई का दूसरा संस्करण होगा। पहला संस्करण 2017 में आयोजित हुआ था। इसका आयोजन खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय करेगा।

टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी का टीपीडीडीएल से करार

नयी दिल्ली, (भाषा) टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी ने अपने 510 मेगावाट सौर-पवन हाइब्रिड परियोजना से बिजली आपूर्ति के लिए टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (टीपीडीडीएल) के साथ समझौता किया है। शुक्रवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी गई। यह देश की सबसे बड़ी हाइब्रिड परियोजनाओं में से एक है। इसकी क्षमता 170 मेगावाट सौर ऊर्जा और 340 मेगावाट पवन ऊर्जा है। बयान के अनुसार, इस परियोजना से टाटा पावर और दिल्ली सरकार के संयुक्त उपक्रम टाटा पावर डीडीएल के लिए वार्षिक रूप से 1.54 अरब यूनिट कार्बन उत्सर्जन की बचत होगी।

केंद्र सरकार ने उच्च कीमत पर बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पोर्टल शुरू किया

नयी दिल्ली, (भाषा) केंद्र सरकार ने बिजली की अधिकतम मांग वाले मौसम के दौरान कुछ श्रेणियों के लिए 12 रुपये प्रति यूनिट की सीमा से अधिक कीमत पर बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एक पोर्टल शुरू किया है।

एक आधिकारिक बयान के मुताबिक केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आर के सिंह ने इस पोर्टल की शुरुआत की।

बिजली मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सरकार ने अगले दिन की आपूर्ति के लिये ऊंचे मूल्य के एक दिन पहले बाजार (एचपी-डीएएम) और सरप्लस बिजली पोर्टल (पीयूएसएचपी) पेश किया है।

इससे पहले फरवरी में, बिजली नियामक सीईआरसी ने एचपी-डीएएम खंड को मंजूरी दी थी। यहां पर बिजली को 50 रुपये प्रति यूनिट की कीमत पर बेचा जा सकता है।

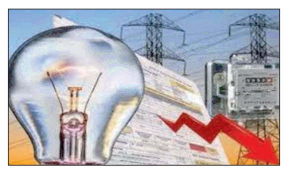

एचपी-डीएएम खंड महंगी बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली के जरिये बिजली की उपलब्धता भी सुनिश्चित करेगा।

बयान में कहा गया है कि केवल उन्हीं उत्पादन संयंत्रों को एचपी-डीएएम में बिक्री की अनुमति दी जाएगी, जिनकी बिजली उत्पादन की लागत 12 रुपये प्रति यूनिट से अधिक है। मंत्रालय ने कहा कि सिंह ने बृहस्पतिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए एक समारोह में राज्य सरकारों और बिजली क्षेत्र के 200 से अधिक हितधारकों की उपस्थिति में पोर्टल को पेश किया।

थर्मेक्स ने हरित हाइड्रोजन बाजार में कदम रखा, फोर्टेस्क्यू फ्यूचर के साथ किया करार

नयी दिल्ली, (भाषा) ऊर्जा और पर्यावरण समाधान कंपनी थर्मेक्स ने शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया स्थित फोर्टेस्क्यू फ्यूचर इंडस्ट्रीज (एफएफआई) के साथ भागीदारी में हरित हाइड्रोजन बाजार में कदम रखने की घोषणा की।

एक बयान में कहा गया है कि थर्मेक्स और एफएफआई की भारत में वाणिज्यिक एवं औद्योगिक ग्राहकों के लिए पूरी तरह से एकीकृत हरित हाइड्रोजन परियोजनाओं को संयुक्त रूप से विकसित करने के अवसरों का पता लगाने की योजना है। एफएफआई, एक ऑस्ट्रेलिया-आधारित हरित ऊर्जा और हरित प्रौद्योगिकी कंपनी है। दोनों कंपनियों ने देश में नई विनिर्माण सुविधाओं समेत हरित हाइड्रोजन परियोजनाओं का पता लगाने के लिए एक सहमति पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

विश्व बैंक अध्यक्ष पद के लिए बंगा के समर्थन में आए नोबल पुरस्कार विजेता, अर्थशास्त्री, शिक्षाविद्

वाशिंगटन, (भाषा) विश्व बैंक के अगले अध्यक्ष के तौर पर भारतीय-अमेरिकी अजय बंगा के नामांकन के समर्थन में तीन नोबल पुरस्कार विजेताओं समेत 55 प्रमुख शिक्षाविदों, अर्थशास्त्रियों का एक समूह आया है।

समूह ने बंगा को वैश्विक अर्थव्यवस्था के इस नाजुक क्षण में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थान की अगुआई करने के लिए उपयुक्त बताया है।

बंगा (63) को अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने पिछले महीने विश्व बैंक के अगले अध्यक्ष पद के लिए नामित किया था।

बृहस्पतिवार को प्रकाशित एक खुले पत्र में 55 वकीलों, शिक्षाविदों और पूर्व सरकारी अधिकारियों ने विश्व बैंक के अध्यक्ष पद के लिए बंगा के नामांकन का समर्थन किया।

बंगा का समर्थन करने वाले तीन

नोबल पुरस्कार विजेताओं में डॉ. जोसफ स्टिग्लिट्ज, डॉ. माइकल स्पेंस और प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस हैं। डॉ. स्टिग्लिट्ज को अर्थशास्त्र के लिए 2001 में, डॉ. स्पेंस को भी 2001 में अर्थशास्त्र के लिए और प्रोफेसर यूनुस को 2006 में नोबल पुरस्कार मिला है।

बंगा इस समय जनरल अटलांटिक के उपाध्यक्ष के तौर पर काम कर रहे हैं। उन्हें 2016 में पद्मश्री सम्मान दिया गया था।

भारत, अमेरिका ने सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला, नवाचार साझेदारी की

नयी दिल्ली, (भाषा) भारत और अमेरिका ने शुक्रवार को यहां 'वाणिज्यिक संवाद-2023' के दौरान सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला तथा नवाचार साझेदारी पर एक सहमति पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। वाणिज्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी।

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के निमंत्रण पर, अमेरिकी वाणिज्य सचिव जीना रायमोंडो ने सात से 10 मार्च के बीच दिल्ली का दौरा किया। मंत्रालय के अनुसार, इस यात्रा के दौरान, दोनों देशों के बीच नए व्यापार और निवेश के अवसरों पर चर्चा करने के लिए 'भारत-अमेरिका वाणिज्यिक वार्ता' को 10 मार्च को फिर से शुरू किया गया। इस दौरान भारत और अमेरिका के बीच 'भारत-अमेरिका वाणिज्यिक संवाद' के ढांचे के तहत सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला और नवाचार साझेदारी स्थापित करने के लिए एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

रायमोंडो ने सीतारमण, जयशंकर अन्य नेताओं के साथ साझा हितों के महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर चर्चा की

वाशिंगटन, (भाषा) अमेरिकी वाणिज्य मंत्री जीना रायमोंडो ने भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल सहित भारत सरकार के शीर्ष नेताओं के साथ अपनी बैठकों में भारत-प्रशांत क्षेत्र समेत साझा हितों के महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर चर्चा की।

वाणिज्य विभाग के अनुसार, रायमोंडो ने डोभाल के साथ अपनी बैठक में अमेरिका-भारत के वाणिज्यिक संबंधों तथा 'दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं के बीच संबंधों को गहरा करने के अवसरों' पर चर्चा की। जीना ''इंडिया - यूएस कमर्शियल डायलॉग'' में हिस्सा लेने के लिए भारत आई हैं।

वाणिज्य विभाग के अनुसार, 'उन्होंने महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकी पर 'अमेरिका-भारत पहल' की उद्घाटन बैठक के महत्व पर सहमति व्यक्त की।'

इसके अलावा रायमोंडो ने आगामी 'अमेरिका-भारत सीईओ

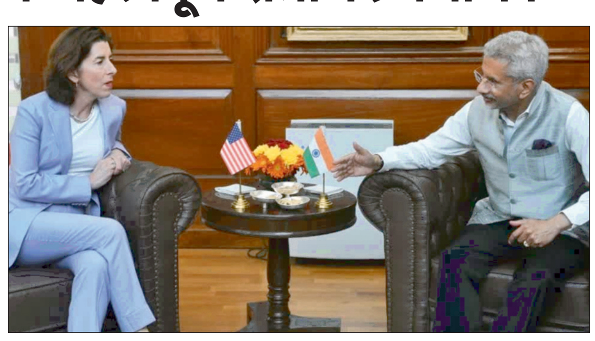

फोरम' और 'अमेरिका-भारत वाणिज्यिक संवाद' बैठक के बारे में भी बात की। यह कई क्षेत्रों में दोनों सरकारों और व्यापारिक समुदायों के बीच अधिक सहयोग को बढ़ावा देने में मदद करेगी।

बैठक के दौरान उन्होंने भारतीय नेताओं के साथ समृद्धि के लिए 'भारत-प्रशांत आर्थिक ढांचा' (आईपीईएफ) के अवसरों पर चर्चा की। रायमोंडो ने कहा कि यह 'क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण को मजबूत करने के साथ साथ व्यक्तिगत एंव सामूहिक आर्थिक प्रतिस्पर्धा' को बढ़ाएगा।

रायमोंडो ने जयशंकर के साथ अपनी बैठक में, अमेरिका-भारत संबंधों और आगे के आर्थिक सहयोग पर चर्चा की।

उन्होंने बाइडेन प्रशासन और विभाग के लिए अमेरिका-भारत द्विपक्षीय संबंधों के महत्व को रेखांकित किया। इसमें 'अमेरिका-भारत सीईओ फोरम' (सीईओ फोरम) और 'अमेरिका-भारत वाणिज्यिक संवाद' के जरिये चल रहे सहयोग और निकट वाणिज्यिक संबंधों की संभावना शामिल है।

रिलायंस लाइफ साइंसेज को जीन थेरेपी तकनीक का लाइसेंस मिला

नई दिल्ली, (भाषा) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर (आईआईटी कानपुर) ने रिलायंस लाइफ साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड को 'जीन थेरेपी' प्रौद्योगिकी का लाइसेंस दिया है। आईआईटी कानपुर की जीन थेरेपी तकनीक को रिलायंस लाइफ साइंसेज द्वारा एक स्वदेशी उत्पाद के रूप में विकसित किया जाएगा। इस तकनीक से आंख की आनुवंशिक बीमारियों का इलाज किया जाता है। संस्थान ने एक बयान में कहा, 'आईआईटी कानुपर के जैविक विज्ञान और बायोइंजीनियरिंग विभाग (बीएसबीई) के जयधरन गिरिधर राव और शुभम मौर्य ने पेटेंट तकनीक को विकसित किया है। यह तकनीक एक 'आनुवंशिक विकार' के इलाज के लिए 'जीव के जीन को संशोधित' करती है।' इसमें कहा गया है कि वायरल वैक्टर का उपयोग करने वाली जीन थेरेपी हाल ही में आणविक चिकित्सा के क्षेत्र में एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में उभरी है।

कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच सेंसेक्स, निफ्टी में एक फीसदी की गिरावट

मुंबई, (भाषा) कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच आईटी, वित्तीय और तेल शेयरों में भारी बिकवाली के चलते प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में शुक्रवार को एक प्रतिशत से अधिक की गिरावट हुई।

इस दौरान 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 671.15 अंक या 1.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ 59,135.13 पर बंद हुआ। कारोबार के अंत में सेंसेक्स के 21 शेयर लाल निशान में बंद हुए। दिन के कारोबार में सूचकांक 58,884.98 के निचले स्तर तक चला गया था।

व्यापक एनएसई निफ्टी 176.70 अंक या एक प्रतिशत गिरकर 17,412.90 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स में गिरने वाले प्रमुख शेयर एचडीएफसी बैंक, एसबीआई, एचडीएफसी, और इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्व, एमएंडएम, एलएंडटी, रिलायंस, इंफोसिस और टीसीएस थे।

इसके विपरीत टाटा मोटर्स, मारुति, एनटीपीसी, सन फार्मा, पावर ग्रिड और टाइटन में बढ़त हुई।

विश्लेषकों ने कहा कि कमजोर एशियाई बाजारों के बीच वित्तीय, बैंकिंग, आईटी और पूंजीगत वस्तुओं के शेयरों में भारी बिकवाली के चलते बाजार में गिरावट हुई।

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा, 'अमेरिकी बााजारों में बिकवाली एसवीबी फाइनेंशियल में 60 प्रतिशत की गिरावट से शुरू हुई। यह एक बैंक है, जो मुख्य रूप से स्टार्टअप्स को फंड करता है। इसने बाजार की धारणा को प्रभावित किया, जिससे बैंकिंग शेयरों पर दबाव बढ़ा। इस बात को लेकर चिंता बढ़ रही है कि ब्याज दरों में बढ़ोतरी से कर्ज अदायगी प्रभावित हो सकती है।'

ख्वाजा और ग्रीन ने ऑस्ट्रेलिया को 480 रन तक पहुंचाया, भारत के बिना विकेट खोए 36 रन

अहमदाबाद, (भाषा) उस्मान ख्वाजा दोहरे शतक से चूक गए लेकिन पहला अंतरराष्ट्रीय शतक जड़ने वाले कैमरन ग्रीन के साथ उनकी 208 रन की साझेदारी से ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ चौथे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन पहली पारी में 480 रन बनाए।

भारत ने इसके बाद सतर्क शुरुआत करते हुए 10 ओवर में बिना विकेट खोए 36 रन बनाए। दिन का खेल खत्म होने पर शुभमन गिल 18 रन जबकि कप्तान रोहित शर्मा 17 रन बनाकर खेल रहे थे।

भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के पहली पारी के 480 रन से 444 रन पीछे है जबकि उसके सभी 10 विकेट शेष हैं। मैच में भारत की संभावनाओं के लिहाज से कल तीसरा दिन काफी महत्वपूर्ण होने वाला है। इससे पहले ख्वाजा ने 422 गेंद में 21 चौकों की मदद से 180 रन की पारी खेली। उन्होंने अंगुली की सर्जरी के कारण पहले दो टेस्ट में नहीं खेलने वाले ग्रीन के साथ पांचवें विकेट के लिए 208 रन जोड़े जिन्होंने 170 गेंद में 18 चौकों से 114 रन बनाए।

टॉड मर्फी (41) और नाथन लियोन

(34) ने नौवें विकेट के लिए 70 रन जोड़कर भारत की मुसीबत बढ़ाई। मर्फी का प्रथम श्रेणी क्रिकेट में यह शीर्ष स्कोर है। भारत की ओर से ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन (91 रन पर छह विकेट) ने करियर में 32वीं बार पारी में पांच या इससे अधिक विकेट चटकाए। मोहम्मद शमी ने 134 रन देकर दो विकेट हासिल किए।

उमेश यादव ने निराश किया। उन्होंने 25 ओवर में 105 रन खर्च किए लेकिन उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। रविंद्र जडेजा (89 रन पर एक विकेट) और अक्षर पटेल (47 रन पर एक विकेट) ने एक-एक विकेट चटकाया।

भारतीय गेंदबाजों के दिन के पहले सत्र में विकेट चटकाने में नाकाम रहने के बाद अश्विन ने दूसरे सत्र में तीन और तीसरे सत्र में दो विकेट चटकाकर ऑस्ट्रेलिया की पारी को समेटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

दूसरे सत्र में ऑस्ट्रेलिया की टीम 62 रन ही बना सकी और उसने इस बीच तीन विकेट गंवाए। ग्रीन ने जडेजा की गेंद को कवर प्वाइंट से चार रन के लिए भेजकर 143 गेंद में करियर का पहला अंतरराष्ट्रीय शतक पूरा किया।

ग्रीन हालांकि शतक पूरा करने के बाद अश्विन की लेग साइड से बाहर जाती गेंद को खेलने की कोशिश में विकेटकीपर श्रीकर भरत को कैच दे बैठे।

लगभग 60 ओवर तक पैड बांधकर अपनी पारी का इंतजार कर रहे एलेक्स कैरी (00) अश्विन के इसी ओवर में बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में शॉर्ट थर्ड मैन पर अक्षर पटेल के हाथों लपके गए।

मिशेल स्टार्क भी छह रन बनाने के बाद अश्विन की गेंद पर श्रेयस अय्यर को कैच देकर पवेलियन लौटे।

ख्वाजा और लियोन ने हालांकि चाय तक टीम को और झटके नहीं लगने दिए।

चाय के बाद पहली ही गेंद पर अक्षर ने ख्वाजा को पगबाधा करके उनका पहला दोहरा शतक जड़ने का सपना तोड़ दिया। मैदानी अंपायर ने ख्वाजा को नॉटआउट करार दिया था लेकिन डीआरएस का सहारा लेने पर दिखा कि गेंद विकेटों से टकरा रही थी और अंपायर को अपना फैसला बदलना पड़ा। ख्वाजा की यह पारी ऑस्ट्रेलिया के किसी बल्लेबाजी की भारत में तीसरी सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत पारी है।

भारतीय गेंदबाजों को अंतिम दो विकेट जल्दी चटकाने की उम्मीद थी लेकिन लियोन और मर्फी ने उन्हें हताश किया। दोनों 19 ओवर से अधिक समय तक क्रीज पर डटे रहे।

भारत ने तीसरी नई गेंद ली तो लियोन ने शमी के ओवर में तीन चौके मारे।

अश्विन ने अंततः मर्फी को पगबाधा करके इस साझेदारी को तोड़ा और पारी का अपना पांचवां विकेट हासिल किया। उन्होंने अपने अगले ओवर में लियोन को स्लिप में विराट कोहली के हाथों कैच कराके ऑस्ट्रेलिया की पारी का अंत किया।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने दिन की शुरुआत चार विकेट पर 255 रन से की। टीम ने सुबह के सत्र में 92 रन जोड़े।

अब तक बल्लेबाजी के लिए अनुकूल रही पिच पर भारतीय गेंदबाजों को सुबह के सत्र में विकेट हासिल करने के लिए जूझना पड़ा। ख्वाजा और ग्रीन भारतीय गेंदबाजों पर दबदबा बनाने में सफल रहे।

पहले दिन के खेल के अंतिम लम्हों में दूसरी नई गेंद से काफी रन लुटाने के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने सुबह के सत्र में रन रोकने को तरजीह दी। बाउंड्री रोकने के लिए उन्होंने डीप प्वाइंट, डीप स्क्वायर लेग और डीप फाइन लेग लगाया।

निश्ना और अवनी ने कट हासिल किया शीर्ष 20 में शामिल

सिंगापुर, (भाषा) भारतीय गोल्फर निश्ना पटेल ने पहले नौ होल में निराशाजनक प्रदर्शन के बावजूद संयम जारी रखा जिससे वह बैक नाइन पर बोगी फ्री तीन अंडर का कार्ड खेलकर शुक्रवार को यहां महिला एमेच्योर एशिया पैसिफिक (डब्ल्यूएएपी) चैम्पियनशिप के दूसरे दौर में शीर्ष 15 में पहुंच गयीं।

तीसरी बार डब्ल्यूएएपी में खेल रही निश्ना ने पिछले साल भी कट हासिल किया था, उन्होंने इवन पार 72 का कार्ड खेला।

पहले दौर में 71 के कार्ड से उनका कुल स्कोर एक अंडर 141 रह जिससे वह संयुक्त 13वें स्थान पर काबिज सर्वश्रेष्ठ भारतीय हैं।

क्वीन सिरिकिट कप की चैम्पियन अवनी प्रशांत भी कट में जगह बनाने में सफल रहीं। वह इवन पार 144 के कुल स्कोर से संयुक्त 19वें स्थान पर चल रही हैं।

वहीं अन्य चार भारतीय कट में जगह बनाने से चूक गयीं जिसमें मन्नत बरार, अनिका वर्मा, लावण्या जादोन और विधात्री उर्स शामिल रहीं।

पुलिस फुटबॉल टूर्नामेंट में पहली बार महिला फुटबॉलर खेलने को तैयार

श्रीनगर, (भाषा) महिला टीमें पहली बार अखिल भारतीय पुलिस फुटबॉल चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगी जिसका आयोजन रविवार से जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी के नवीनीकृत बक्शी स्टेडियम में किया जाएगा।

सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की टीम की अधिकांश खिलाड़ियों के लिए यह प्रतियोगिता सपना साकार होने से कम नहीं है जिन्होंने इस दिन को देखने के लिए पांच साल इंतजार किया। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर की नेहा खान ने पीटीआई से कहा, ''मैं काफी अच्छा और रोमांचित महसूस कर रही हूं। हमें इस टूर्नामेंट का बेसब्री से इंतजार था क्योंकि हमें पहली बार इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने का मौका मिल रहा है।''

नेहा ने कहा कि इस तरह के टूर्नामेंट लड़कियों को खेल में करियर बनाने के लिए प्रेरित कर सकते हैं।

बिहार की अनुभवी धर्मशाला कुमारी ने कहा कि अगली पीढ़ी की लड़कियां भी खेल से जुड़ेंगी।

उन्होंने कहा, ''मुझे खेलों में अपने परिवार का समर्थन मिला लेकिन सुरक्षा बल से जुड़ने में मुझे थोड़ी परेशानी हुई। लेकिन मुझे सुरक्षा बल पसंद है क्योंकि इससे मुझे खेलने का मौका मिलता है।''

हरियाणा की मोनिका ने कहा कि उनकी टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही है और उसे दर्शकों को आकर्षित करना चाहिए।

उन्होंने कहा, ''महिला दर्शक अगर हमारे मुकाबले देखने आएंगी तो खेल गतिविधियों में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित होंगी।''

बक्शी स्टेडियम का 50 करोड़ रुपये की राशि से नवीनीकरण किया गया है और यहां आधुनिक सुविधाएं मुहैया कराई गई हैं जिसके बाद यहां यह पहला टूर्नामेंट होगा।

जम्मू-कश्मीर फुटबॉल संघ के अध्यक्ष वसीम अहमद ने कहा, ''कश्मीर के पिछला बड़ा टूर्नामेंट 2008 में संतोष ट्रॉफी खेला गया था। इसके बाद कश्मीर घाटी में कोई बड़ी प्रतियोगिता नहीं हुई।''

फ्रेंचाइजी टूर्नामेंटों के बीच बचाएं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को : एमसीसी

दुबई, (भाषा) मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को सुरक्षित रखने के लिए 'तत्काल हस्तक्षेप' करने की अपील करते हुए कहा है कि व्यस्त वैश्विक कार्यक्रम के बीच यह घरेलू लीग से प्रभावित होता जा रहा है।

नवीनतम एसएलटी20 और आईएलटी20 सहित फ्रेंचाइजी लीग की अधिकता अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के भविष्य दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) पर बहुत अधिक दबाव डाल रही है जिससे कमजोर सदस्य देशों द्वारा खेले जाने वाले मैचों की संख्या में 'खतरनाक असमानता' पैदा हो रही है। बिग थ्री में शामिल भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड को अंतराष्ट्रीय टूर्नामेंटों का बड़ा हिस्सा मिलता है जबकि अफगानिस्तान, आयरलैंड और जिम्बाब्वे जैसे टेस्ट खेलने वाले छोटे देशों को बेहद व्यस्त एफटीपी के कारण शीर्ष टीमों के खिलाफ अधिक मुकाबले खेलने को नहीं मिलते।

एमसीसी ने कहा कि दुबई में आयोजित बैठक का उद्देश्य यह जांचना था कि छोटे प्रारूप की फ्रेंचाइजी लीग से भरे व्यस्त वैश्विक क्रिकेट कार्यक्रम के बीच अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को कैसे संरक्षित किया जा सकता है और अगले 10 वर्षों में वैश्विक क्रिकेट कैसा दिखेगा अगर इसे व्यवस्थित रूप से विकसित होने के लिए समय दिया जाए

चिक्कारंगप्पा और कार्तिक थाईलैंड में संयुक्त 13वें स्थान पर

हुआ हिन (थाईलैंड), (भाषा) एशियाई डेवलपमेंट टूर पर दो बार के विजेता एस चिक्कारंगप्पा और कार्तिक शर्मा पहले दौर में पांच अंडर 67 के स्कोर से यहां 20 लाख डॉलर इनामी अंतरराष्ट्रीय सीरीज थाईलैंड गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त 13वें स्थान के साथ भारतीय खिलाड़ियों के बीच शीर्ष पर हैं। अन्य भारतीयों में गगनजीत भुल्लर और करणदीप कोचर तीन अंडर 69 के स्कोर से संयुक्त 42वें जबकि वीर अहलावत और ज्योति रंधावा दो अंडर 70 के स्कोर से संयुक्त 63वें स्थान पर चल रहे हैं। जिन भारतीय खिलाड़ियों पर कट से चूकने का खतरा मंडरा रहा है।

गेंदबाजी में विविधता का फायदा उठा रही है मुंबई इंडियन्स की

मुंबई, (भाषा) मुंबई इंडियन्स के महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में लगातार तीसरी जीत दर्ज करने के बाद टीम की तेज गेंदबाज इसी वोंग ने संकेत दिए कि गेंदबाजी आक्रमण में विविधता ने टूर्नामेंट में टीम को मजबूती प्रदान की है।

मुंबई इंडियन्स के प्रदर्शन में वेस्टइंडीज की ऑलराउंडर हेली मैथ्यूज की अहम भूमिका रही है। उन्होंने गुजरात जाइंट्स के खिलाफ 47 रन की पारी के साथ शुरुआत की और फिर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ तीन विकेट चटकाने के अलावा नाबाद 77 रन बनाए।

गुरुवार को मैथ्यूज ने 19 रन पर तीन विकेट चटकाने के अलावा 32 रन की तेजतर्रार पारी खेली जिससे मुंबई इंडियन्स ने पांच ओवर शेष रहते दिल्ली कैपिटल्स को आठ विकेट से हराया। वोंग ने भी गुरुवार को दिल्ली के खिलाफ तीन विकेट चटकाए। उन्होंने कहा, ''हमारे गेंदबाजी आक्रमण में काफी विविधता है। हमारे पास बाएं हाथ की स्पिनर, ऑफ स्पिनर, लेग स्पिनर हैं। हमारे पास तेज गेंदबाजी में भी विविधता है। वोंग ने कहा, ''हमने सभी विभागों को ध्यान में रखा है। इससे हमें लचीलापन अपनाने का मौका मिलता है। हरमनप्रीत (कौर) ने शानदार काम किया है।

मुझे लगता है कि आगामी आईपीएल में धोनी की विरासत का अंत होगा: हेडन

नयी दिल्ली, (भाषा) पूर्व आस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन का कहना है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का जश्न शानदार तरीके से मनायेगा क्योंकि उनके करिश्माई कप्तान एमएस धोनी फ्रेंचाइजी आधारित टी20 लीग में बतौर खिलाड़ी संभवतः अंतिम बार खेलेंगे। पूर्व भारतीय कप्तान धोनी 2008 में लीग के शुरूआती चरण से सीएसके की कप्तानी कर रहे हैं और टीम को चार ट्रॉफियां दिला चुके हैं।

हेडन ने 'स्टार स्पोर्ट्स' से बात करते हुए कहा, ''देखिये सीएसके सफलता के लिए अपने अलग और विशेष तरीके ढूंढने में सफल रही है। उनका दो साल टूर्नामेंट से बाहर रहना दुर्भाग्यपूर्ण रहा लेकिन इसके बाद उन्होंने वापसी करते हुए आईपीएल जीता जबकि इसकी उम्मीद नहीं थी।'' उन्होंने कहा, ''एम एसी धोनी का टीम को फिर से मजबूत करने, सुधार करने और इसके बिलकुल अलग 'लुक' देने का एक तरीका है, हालांकि टीम का अपने कुछ खिलाड़ियों पर भरोसा करने का 'टैग' लगा हुआ था क्योंकि उसने अपने ज्यादातर खिलाड़ियों को बरकरार रखा था।''

हेडन ने कहा, ''एमएस धोनी के लिये मुझे लगता है कि विशेषकर यह साल कुछ विशेष रहेगा और वे इसका जश्न शानदार तरीके से मनायेंगे। मुझे लगता है कि यह एमएसी धोनी की विरासत का अंत होगा और वह अपने प्रशंसकों के लिए 'स्टाइल' से जाना चाहेंगे और प्रशंसक भी उन्हें 'स्टाइल' से समापन करते हुए देखना चाहेंगे।'' आईपीएल का आगामी चरण 31 मार्च से शुरू होगा। हेडन ने चेपक स्टेडियम में सीएसके की वापसी पर कहा, ''2023 में आईपीएल शुरू होगा और पूरे भारत में कोविड-19 के बाद सभी स्टेडियमों में मैच खेले जायेंगे

पीएम मोदी ने NPDRR का किया उद्घाटन, बोले- आपदा को रोक तो नहीं सकते, लेकिन नुकसान कम कर सकते हैं

एनटीवी न्यूज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि एनपीडीआरआर 2023 के तीसरे सत्र के उद्घाटन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अभी हाल ही में तुर्की और सिरीया में भारतीय दल के प्रयासों को पूरी दुनिया ने सराहा है।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को विज्ञान भवन में आपदा जोखिम न्यूनीकरण राष्ट्रीय मंच (NPDRR) के तीसरे सत्र का उद्घाटन किया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि भारत में आपदा प्रबंधन से जुड़ी व्यवस्था हमेशा स्थानीय रही है, समाधान और रणनीति भी स्थानीय रही है... चाहे स्थानीय निर्माण सामग्री हो या फिर निर्माण तकनीक, इसको हमें आज की जरूरत और आज की तकनीक से समृद्ध करना है।

पीएम ने इन संस्थाओं की तारीफ की

साथ ही कहा कि आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए राष्ट्रीय मंच (एनपीडीआरआर) 2023 के तीसरे सत्र के उद्घाटन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अभी हाल ही में तुर्की और सीरीया में आगे भूकंप के बाद भारतीय दल के प्रयासों को पूरी दुनिया ने सराहा है। ये बात हर भारतीय के लिए गौरव की बात है।

उन्होंने कहा कि राहत और बचाव से जुड़े मानव संसाधन और तकनीकी क्षमता को भारत ने जिस तरह बढ़ाया है, उससे देशभर में भी अलग-अलग आपदा के समय बहुत सारे लोगों के जीवन बचाने में मदद मिली है। कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री ने सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार के विजेताओं को सम्मानित किया।

पीएम मोदी ने कहा कि आज यहां दो संस्थानों को नेताजी सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार दिया गया। ओडिशा स्टेट डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी, साइक्लोन से लेकर सुनामी तक विभिन्न आपदाओं के दौरान बेहतरीन काम करती है। इसी तरह मिजोरम के लुंबई फायर स्टेशन ने जंगल में लगी आग को बुझाकर पूरे इलाके को बचाया। मैं इन संस्थाओं के सभी साथियों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

दुनियाभर में सराहा गया भारत का काम

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि तुर्की में आए विनाशकारी भूकंपों के बाद ऑपरेशन दोस्ती के तहत हमारे एनडीएमए और एनडीआरएफ के काम को दुनिया भर में सराहा गया है।

वहीं एनपीडीआरआर 2023 पुरस्कार के विजेता ओडिशा राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (OSDMA) और लुंगलेई फायर स्टेशन, मिजोरम हैं। एनपीडीआरआर भारत सरकार द्वारा आपदा जोखिम न्यूनीकरण के क्षेत्र में संवाद, अनुभवों, विचारों, विचारों, क्रिया-उन्मुख अनुसंधान को साझा करने और अवसरों का पता लगाने के लिए गठित एक बहु-हितधारक मंच है।

ब्रीफ न्यूज

भ्रूण लिंग जांच कराने वाले गिरोह का भंडाफोड़, महिला से 60 हजार की ठगी

झज्जर स्वास्थ्य विभाग की टीम को पता लगा कि रेवाड़ी में भ्रूण लिंग जांच कराने वाले दलाल सक्रिय है। झज्जर स्वास्थ्य विभाग ने डिकाय मरीज के जरिए बावल के रहने वाले वेदप्रकाश व तुलाराम विहार के रहने वाले पवन से संपर्क किया। पवन लेब टेक्नीशियन है।

झज्जर व रेवाड़ी जिला स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए भ्रूण लिंग जांच कराने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस भी भ्रूण लिंग जांच कराने वाले गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बावल निवासी वेदप्रकाश व शहर के मोहल्ला तुलाराम विहार निवासी पवन कुमार के रूप में हुई है। दोनों ने 60 हजार रुपये में भ्रूण लिंग जांच कराने का सौदा किया था।

डिकाय मरीज बना की छापेमारी

पुलिस के अनुसार झज्जर स्वास्थ्य विभाग की टीम को पता लगा कि रेवाड़ी में भ्रूण लिंग जांच कराने वाले दलाल सक्रिय है। झज्जर स्वास्थ्य विभाग ने डिकाय मरीज के जरिए बावल के रहने वाले वेदप्रकाश व तुलाराम विहार के रहने वाले पवन से संपर्क किया। पवन लेब टेक्नीशियन है। भ्रूण लिंग जांच कराने का सौदा डिकाय मरीज से 60 हजार रुपये में हुआ। दलाल ने गर्भवती महिला को रेवाड़ी बस स्टैंड पर बुला लिया। बैस स्टैंड आने के बाद दलाल लैब टेक्नीशियन पवन ने डिकाय गर्भवती महिला को शहर के एसबीआई बैंक के समीप स्थित एक अस्पताल में बुलाकर डाक्टर की पर्ची बनवा दी। अस्पताल में पर्ची बनवाने के बाद महिला को कानोड़ गेट के पास स्थित एक अल्ट्रासाउंड सेंटर पर लेकर गए। यहां पर महिला का अल्ट्रासाउंड कराया गया।

कानोड गेट स्थित अल्ट्रासाउंड सेंटर के बार ही दलालों ने महिला के साथ आए परिजनों से 60 हजार रुपये ले लिए। दलाल पवन ने डिकॉय गर्भवती महिला को बताया कि गर्भ में लड़का है। पवन ने महिला से कहा कि लड़के कुआं पूजन पर उन्हें भी जरूर बुलाना। भ्रूण लिंग की जानकारी देते ही पहले से वहां पर मौजूद पुलिस व स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने वेदप्रकाश व पवन को वहीं दबोच लिया।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा अस्पताल व अल्ट्रासाउंड की जांच भी की गई। जांच में अस्पताल व अल्ट्रासाउंड संचालकों की नहीं खामी नहीं मिली। स्वास्थ्य विभाग की टीम के अनुसार दोनों दलाल फर्जी तरीके से लोगों को लिंग जांच करने के नाम पर ठगी कर रहे थे। दोनों के खिलाफ पीसी-पीएनडीटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू की गई है।

नगालैंड के मुख्यमंत्री ने किया विभागों का बंटवारा, वित्त विभाग रखा अपने पास

एनटीवी संवाददाता

उपमुख्यमंत्री तदितुई रंगकाऊ ज़ेलियांग को योजना और परिवर्तन और राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग आवंटित किए गए जबकि दूसरे उपमुख्यमंत्री यानथुंगो पैटन को गृह और सीमा मामलों के विभाग दिए गए। राज्य की पहली महिला मंत्री सल्हौतुओनुओ क्रूस को महिला संसाधन विकास और बागवानी विभाग दिया गया...

नई दिल्ली। नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो ने अपने दो उपमुख्यमंत्रियों और नौ मंत्रियों को विभागों का बंटवारा कर दिया। रियो ने विपक्ष विहीन सरकार में 24 विधायकों को विभिन्न विभागों के सलाहकार के रूप में भी नियुक्त किया। रियो ने वित्त, कार्मिक और प्रशासनिक सुधार जैसे विभागों को अपने पास रखा। उपमुख्यमंत्री तदितुई रंगकाऊ ज़ेलियांग को योजना और परिवर्तन और राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग आवंटित किए गए जबकि दूसरे उपमुख्यमंत्री यानथुंगो पैटन को गृह और सीमा मामलों के विभाग दिए गए। राज्य की पहली महिला मंत्री सल्हौतुओनुओ क्रूस को महिला संसाधन विकास और बागवानी विभाग दिया गया। संसदीय मामलों का विभाग के जी केन्ये को दिया गया जबकि स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग पी पैवांग कोन्याक को दिया गया। सभी पक्षों को समायोजित करने के लिए, रियो ने 24 सलाहकारों की नियुक्ति की और उन्हें जनजातीय मामलों, कृषि, नगरपालिका मामलों, श्रम और उद्योग और वाणिज्य जैसे विभिन्न विभाग आवंटित किए गए हैं। एनडीपीपी के वरिष्ठ विधायक शेरिंगैन लोंगकुमेर को कोई पोर्टफोलियो नहीं दिया गया है। माना जा रहा है कि उन्हें स्पीकर बनाए जाने की संभावना है। एनडीपीपी-भाजपा गठबंधन नगालैंड में लगातार दूसरी बार भारी बहुमत के साथ सत्ता में लौटा है। एनसीपी, एनपीपी, नगा पीपुल्स फ्रंट, आरपीआई (ए), एलजेपी (रामविलास), जेडी (यू) और निर्दलीय विधायकों ने समर्थन दिया है। नियम के अनुसार, 60 सदस्यीय विधानसभा वाले नागालैंड में मुख्यमंत्री सहित 12 से अधिक मंत्री नहीं हो सकते हैं।

जापानी PM किशिदा का 20 मार्च से भारत दौरा, द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर होगी चर्चा

नई दिल्ली। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा 20-21 मार्च को भारत का आधिकारिक दौरा करेंगे। वे PM मोदी से बातचीत करेंगे। दोनों पक्ष आपसी हित के द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा 20-21 मार्च को भारत का आधिकारिक दौरा करेंगे। वे अपने समकक्ष प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत करेंगे। दोनों पक्ष आपसी हित के द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे। वे G7 और G20 के अपने-अपने प्रेसीडेंसी के लिए अपनी प्राथमिकताओं पर भी चर्चा करेंगे।

आगामी चुनावों के मद्देनजर प्रचारकों की जिम्मेदारी में हो सकता है बदलाव, 1400 कार्यकर्ताओं संग होगा मंथन

एनटीवी संवाददाता

आरएसएस के वरिष्ठ पदाधिकारी ने अमर उजाला से चर्चा में कहा कि संघ की प्रतिनिधि सभा संघ की फैसला लेने वाली सर्वोच्च संस्था होती है। इसकी बैठक हर साल मार्च में होती है। प्रतिनिधि सभा में संघ के कामकाज की समीक्षा की जाती है...

नई दिल्ली। हरियाणा के पानीपत जिले में स्थित समालखा में होने वाली राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की तीन दिवसीय अहम बैठक 12 मार्च से शुरू होने जा रही है। इस बैठक में संघ और वैचारिक संगठनों में कई अहम बदलाव करने का निर्णय लिया जा सकता है। आगामी राज्यों के विधानसभा व लोकसभा चुनाव और संघ के शताब्दी वर्ष के मद्देनजर कुछ प्रचारकों की जिम्मेदारी बदली जा सकती है। जबकि संघ और भाजपा के लिए को-ऑर्डिनेशन करने वाले कुछ चेहरे बदले जा सकते हैं।

12 मार्च से 14 मार्च तक आयोजित होने वाली इस अहम बैठक में 2022-23 के संघ के कार्य की समीक्षा और आगामी वर्ष 2023—24 की संघ की कार्ययोजना पर चर्चा की जाएगी। इसके अलावा कार्यकर्ता निर्माण-प्रशिक्षण, संघ की शिक्षा वर्गों के आयोजन, शताब्दी विस्तार योजना व कार्य के सुदृढ़ीकरण और देश की वर्तमान स्थिति पर विचार किया जाएगा। इसके अलावा समाज के विभिन्न मुद्दों से जुड़े विषयों पर प्रस्ताव पारित किए जाएंगे। प्रतिनिधि सभा की इस बैठक में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले सहित सभी सह सरकार्यवाह, अखिल भारतीय कार्यकारिणी, क्षेत्र व प्रांत कार्यकारिणी, संघ के निर्वाचित अखिल भारतीय प्रतिनिधि, सभी विभाग प्रचारक के अलावा अन्य संगठनों के प्रमुखों के अलावा देशभर के 1400 कार्यकर्ता शामिल होंगे।

आरएसएस के वरिष्ठ पदाधिकारी ने अमर उजाला से चर्चा में कहा कि संघ की प्रतिनिधि सभा संघ की फैसला लेने वाली सर्वोच्च संस्था होती है। इसकी बैठक हर साल मार्च में होती है। प्रतिनिधि सभा में संघ के कामकाज की समीक्षा की जाती है। संघ से जुड़े संगठन जिन्हें संघ का अनुषांगिक

संगठन कहा जाता है, उसके प्रतिनिधि भी इस बैठक में मौजूद होते हैं। हालांकि अनुषांगिक संगठनों के कामकाज की विस्तार से चर्चा नहीं हो पाती है। हर संगठन को तीन से चार मिनट का वक्त दिया जाता है, जिसमें वह अपने कामकाज से जुड़े मुख्य बिंदु पर बात कर सकते हैं। बैठक में अलग-अलग प्रांतों में संघ का काम कैसा चल रहा है, उस पर बात होगी और आगे के लक्ष्य तय किए जाएंगे। इस सभा में कुछ प्रस्ताव भी पास होते हैं। आम तौर पर ये प्रस्ताव सामाजिक और राजनीतिक होते हैं। इसके अलावा उत्तर पूर्वी राज्यों में संघ का विस्तार कैसे हो इस पर भी विस्तार से चर्चा होगी।

उन्होंने बताया, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक में मुस्लिमों तक पहुंच बनाने पर भी बात होगी। पिछले काफी वक्त से संघ मुस्लिम समुदाय से संवाद कर रहा है और सहमति के बिंदुओं तक पहुंचने की कोशिश कर रहा है। संवाद में मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधि अपनी चिंताएं रखते हैं साथ ही संघ को लेकर अगर कुछ गलतफहमी होती है तो उसे दूर करने की कोशिश होती है। पिछले साल ही संघ प्रमुख दिल्ली के मदरसों में गए थे। उन्होंने कुछ उलेमाओं और मुस्लिम बुद्धिजीवियों से मुलाकात की थी। बैठक में संघ प्रमुख ने कुछ उनकी सुनी और कुछ अपनी बातें रखी थीं। संघ के इंद्रेश कुमार भी लगातार मुसलमानों से संवाद करते रहे हैं।

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ समेत यूपी में हो सकते है कई बदलाव

बैठक में इस बार क्षेत्र और प्रांत प्रचारकों की जवाबदेही बदलने की संभावना भी जताई जा रही हैं। चुनावी राज्य मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ भी इस बदलाव में प्रभावित हो सकते हैं। क्योंकि यहां मौजूद क्षेत्रीय प्रचारक दीपक विस्पुते को पांच साल पूरे हो चुके हैं। संघ ने पांच साल पहले विस्पुते को क्षेत्र प्रचारक बनाकर मध्यप्रदेश भेजा था। इस साल मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव भी हैं। चुनाव से पहले संघ अपने प्रचारकों को नए दायित्व सौंप सकता है।

वैसे तो प्रतिनिधि सभा की बैठक में 2022-23 की गतिविधियों की समीक्षा और आगामी वर्ष 2023-24 के लिए रणनीति और कार्ययोजना तैयार होगी। लेकिन, आगामी लोकसभा चुनाव के लिहाज से प्रतिनिधि सभा की बैठक को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बीते दिनों संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उत्तर प्रदेश के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी की मौजूदगी में समन्वय बैठक की हुई थी। बैठक में आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर सरकार, संघ और भाजपा के बीच समन्वय और कमियों को दूर करने के लिए भी मंथन हुआ था।

जनसंख्या नियंत्रण पर आ सकता है प्रस्ताव

संघ बैठक में जनसंख्या नियंत्रण को लेकर भी प्रस्ताव ला सकता है। दशहरा रैली में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने अपने भाषण में कहा था, जनसंख्या संपत्ति भी है और बोझ भी। सब बातों का ख्याल रखकर जनसंख्या नीति बनानी चाहिए। जनसंख्या असंतुलन के भी गंभीर नतीजे होते हैं और जबरदस्ती धर्म परिवर्तन और सीमा पार से घुसपैठ जनसंख्या असंतुलन की एक वजह है। सब कुछ ध्यान में रखकर जनसंख्या नीति बने और समाज का मन तैयार करें। संघ इस दिशा में भी काम कर रहा है।

कुछ माह पहले ही सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने गरीबी और बेरोजगारी को लेकर चिंता जाहिर की थी। स्वदेशी जागरण मंच के कार्यक्रम में उन्होंने कहा था कि देश में 20 करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी नेता के नीचे रहते हैं। लगभग 23 करोड़ लोगों की रोज़ाना आय बस 375 रुपये है। बेरोज़गारी दर 6.7 फीसदी पर बहुत चिंताजनक है। देश में एक फीसदी आबादी के पास देश की 20 फीसदी संपत्ति है। जबकि 50 फीसदी के पास सिर्फ 13 फीसदी संपत्ति है। हमें इस आर्थिक समानता पर बात करनी चाहिए। बैठक में इस मुद्दे को लेकर भी कोई प्रस्ताव आ सकता है।